सूक्ति-सागर-2

सूक्ति-सागर-2

डॉ. नरेश अग्रवाल

प्रकाशन संस्थान
नयी दिल्ली-110002

प्रकाशक
प्रकाशन संस्थान
4268-B/3, अंसारी रोड, दरियागंज
नयी दिल्ली-110 002

© डॉ. नरेश अग्रवाल

मूल्य : 000.00 रुपये
प्रथम संस्करण : सन् 2015
ISBN : 978-93-82848-
आवरण : जगमोहन सिंह रावत

शब्द-संयोजन : कम्प्यूटेक सिस्टम, दिल्ली-110032
मुद्रक : बी. के. ऑफसेट, दिल्ली-110032

भूमिका

प्रसिद्ध कवि एवम् सम्पादक नरेश अग्रवाल की सूक्तियों का यह नया संग्रह समस्त हिन्दीभाषी समाज को अनुपम उपहार है। सूक्ति अथवा सदुक्ति; अच्छा, शुभ वचन जो आदिकाल से कवियों, चिंतकों, दार्शनिकों और धार्मिक संत-महात्माओं का सर्वाधिक प्रिय और विश्वसनीय उपकरण रहा है, वही आज नरेश अग्रवाल सरीखे अति संवेदनशील, अनुभवी, परिपक्व सद्गृहस्थ के हाथों मँजकर नया निखार पर रहा है। वैदिक ऋषियों से लेकर कन्फ्यूशियस और खलील जिब्रान तक इस विधा और व्यवहार की व्याप्ति रही। प्रसन्नता और गर्व की बात है कि नरेश अग्रवाल ने जीवन के विराट अनुभव क्षेत्रों से चुन-बीनकर और फटक कर जो पुष्ट दाने इस कोठार में भरे हैं वे दुनिया के सर्वोत्तम रत्नों से होड़ ले सकते हैं। जीवन की बहुत छोटी-छोटी बातें भी इतने लाघव और चुटीलेपन के साथ कही गयी हैं कि वे सहसा उदात्त लगने लगती हैं। 'खुशियाँ बड़े त्योहारों के पाँव हैं' या 'कच्ची मिट्टी आपकी इच्छा का ही अनुसरण करती है' अथवा 'मिट्टी का सूख जाना उसका दुःख है तथा पानी से भर जाना उसका सुख'—ये अद्भुत पर्यवेक्षण-सारांश हैं। नरेश जी ने कम-से-कम में अधिक-से-अधिक कहने की महारत हासिल की है। नुकीले वाक्य सीधे निशाने पर लगते हैं। कोई भी पाठक इन्हें एक नजर में ही हृदयंगम कर लेता है। भाषा इतनी सुगम, पारदर्शी और प्रसन्न है कि दुविधा या अवरोध का एहसास भी नहीं होता। आश्चर्य होता है कि नरेश अग्रवाल ने जीवन के प्रत्येक अंश को इतने करीब से देखा है दत्तचित्त होकर। सूक्तियों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे आपको असहमत होने का अवकाश ही नहीं देतीं। जीवन के सबसे कठिन और अँधेरे रास्ते में भी ये सूक्तियाँ आकाशदीप

या ध्रुवतारे की तरह आपको आलोकित करती रहती हैं। वर्णक्रम से संयोजित यह संग्रह जीवन के तूफान में हमारा सच्चा पथ-प्रदर्शक और सहारा बन जाता है। जब मैंने इन्हें पढ़ना शुरू किया तो एक साँस में पढ़ता गया। उसके बाद के दिनों में गाहे-ब-गाहे अचानक कोई सूक्ति तड़ित की तरह कौंधती और हमारे विचलन या असमंजस को सँभाल लेती। यह कोई किताब नहीं है। यह तो साक्षात् जीवन है। जो इस पुस्तक को छूता है वह वास्तव में जीवन को छूता है। यही इसका अमृत-फल है।

–अरुण कमल

(कवि, आलोचक एवम् सम्पादक,
साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित)

अनुक्रम

भूमिका	(*v*)
अ	9
आ	13
इ	16
ई	17
उ	18
ऊ	20
ए	21
ओ	21
औ	22
क	23
क्ष	29
ख	30
ग	32
घ	35
च	36
छ	38
ज	39
झ	44

ट 44
ठ 44
ड 45
ढ 45
त 46
द 49
ध 54
न 55
प 58
फ 67
ब 68
भ 72
म 75
य 82
र 83
ल 86
व 88
श 92
श्र 94
स 95
ह 106
ज्ञ 109
पूर्व लिखित पुस्तकों पर सम्मतियाँ 110

अ

अंकुश

✤ जीवन में कुछ भी करने की पूर्ण स्वतंत्रता नहीं मिल सकती है; अनेक अंकुश लगे हुए पायेंगे आप।

अतिरिक्त

✤ सक्षम लोगों के सिर पर अतिरिक्त काम का भार हमेशा मौजूद होता है।

अकेला

✤ सच हमेशा अकेला होता है क्योंकि धीरे-धीरे सारे लोग झूठ के पक्ष में जा खड़े होते हैं।

अनजान

✤ अनजान लोगों के हाथ में अपना काम सौंपना शुरू में सस्ता लगता है, लेकिन बाद में बेहद महँगा साबित होता है।

अनदेखा

✤ महत्त्वपूर्ण बातों को अनदेखा करना, किसी हानि को अपनी ओर बढ़ने का मौका देना है।

अनुपस्थिति

✤ मच्छरों को हम मारना नहीं; बल्कि केवल उनकी अनुपस्थिति चाहते हैं।

अनुभव/अनुभवी

✤ एक छोटे सिक्के को जितना अधिक हाथों से गुजरने का अनुभव होता है, उतना बड़े रुपयों को नहीं।

- ✤ अनुभवी लोग बड़े से बड़े काम को इस तरह से आगे बढ़ाते हैं, जैसे महावत हाथी को अंकुश की नोक से।
- ✤ एक अनुभवी को कहीं भी मौजूद कमजोरी सबसे पहले दिखलाई पड़ती है।

अभाव

- ✤ अनगिनत साधनों के पा लेने के बाद भी मनुष्य के मन में कोई न कोई अभाव खटकता ही रहता है।
- ✤ पैसों के अभाव में खुशियों को बाँटना केवल अपने परिवार तक ही सीमित रह जाता है।
- ✤ पैसे का अभाव बुझते दीये की छटपटाहट ही है।

अनुभूति

- ✤ तकलीफों की समाप्ति के बाद मिलनेवाला सुख शांति की अनुभूति देता है।

अनुशासन

- ✤ लोगों को अनुशासन में रखने का तरीका हम अपने माता-पिता से ही सीखते आये हैं।
- ✤ सुबह से शाम तक, अनेक तरह के अनुशासन में डूबी हुई, चलती है किसी की भी दिनचर्या।

अनुसरण

- ✤ जिस रास्ते का अनुसरण एक चूहा करेगा बाकी संगी भी वैसा ही करेंगे।

अभ्यास

- ✤ सिखाई गई चीजें निरंतर अभ्यास के बाद ही आपकी अपनी हो पाती हैं।

अन्न

- ✤ जिस अन्न से पेट भरता है उसी के स्वाद से मन की तृप्ति भी होती है।

अपशब्द

- ✤ मानसिक शांति खत्म होने पर केवल अपशब्द बाहर आते हैं।
- ✤ अचानक कोई अपशब्द बोल देता है तो हमारी सारी खुशियाँ समाप्त हो जाती हैं।

असमंजस

- ✤ जब करने को कुछ नहीं सूझता, वहाँ असमंजस की स्थिति नजर आती है।
- ✤ असमंजस की स्थिति में आप आगे बढ़कर, पीछे लौट आते हैं।

असर

- ✤ किसी सूई की तरह छोटी और चुभने वाली बात ही मन में अधिक असर करती है।

अवसर

- ✤ अवसर दौड़ता हुआ घोड़ा है, जिसे आपको अपने वश में करना होता है।
- ✤ अवसर आपकी ओर लाभ का बढ़ा हुआ कोई हाथ ही है।
- ✤ किसी के द्वारा बोली गयी कोई अच्छी बात एक अवसर है—प्रेरित होने के लिए।

असफलता

- ✤ मजबूत चीजें असफलता को धकेलती हुई आगे बढ़ जाती हैं।

अमीर

- ✤ साधारण खर्च से आयोजित कार्यक्रम अमीरों को लुभा नहीं पाते।
- ✤ केवल महँगे शौक ही अमीरों को खुशी दे पाते हैं।

अविवाहिता

- ✤ एक अविवाहिता के पास जिम्मेवारियाँ तो कम होती हैं, लेकिन अन्य तरह के दुःख अत्यधिक होते हैं।

अपराध

- ✤ अपराध तभी अधिक होता है जब अपराधियों को बचाने वाले लोग भी अधिक संख्या में होते हैं।

अशिक्षा

- ✤ अशिक्षा, हमेशा समाज के आगे बढ़ने के वेग को रोक रही होती है।

अभावग्रस्त

- ✤ थोड़े-से पैसों से जीवनयापन करने की कला केवल अभावग्रस्त लोगों के पास ही होती है।
- ✤ एक अभावग्रस्त बीमारी के खर्च और बीमारी की पीड़ा, दोनों से मरता है।

अहंकार

- ✤ अहंकार स्वयं से कभी नहीं उपजता, वह परिचितों द्वारा प्रशंसा के सहारे आप पर थोप दिया जाता है।
- ✤ एक माली के पास मीठे फल और सुन्दर फूल उपजाने का अहंकार हमेशा मौजूद रहता है।
- ✤ वैसे अहंकार का लाभ ही क्या जो आपके सिर पर भार बनकर बैठ जाए।

अज्ञान

- ✤ ज्ञान को समझने एवं ग्रहण करने में सक्षम लोग, अज्ञान को नहीं ढोते।

आ

आँखें

✤ तारों को आप जमीन पर नहीं उतार सकते, लेकिन अपनी आँखों में अवश्य।

आँगन

✤ स्थानाभाव के कारण शहर में आँगन के पेड़ों को जंगल में खदेड़ा जाता है।

आँच

✤ चूल्हे को कोयला चाहिए और समय में आँच लाने के लिए आपकीमेहनत।

आँसू

✤ अपने लोग आँसू तो देते हैं, लेकिन साथ-साथ उसे पोंछ भी लेते हैं।

आकर्षित

✤ एक नयी चीज जो आरंभ में आकर्षित करती है, फिर विशेषताओं के अभाव में जल्दी ही अपना आकर्षण खो देती है।

आकर्षण

✤ प्रेमियों के लिए उपहारों का आदान-प्रदान एक बहुत बड़ा आकर्षण है।

✤ नयी चीजें भी आपको लुभाते-लुभाते एक दिन अपना आकर्षण खो बैठती हैं।

आक्रमण

✤ भूखे पशुओं के आक्रमण निष्फल होने पर वे और भी अधिक भूखे हो जाते हैं।

आदत

- ✤ प्रभावशाली लोगों की आदत होती है अपने रुतबे से दूसरों से काम कराने की।
- ✤ जिन्हें काम करने की आदत है वे आराम करते-करते भी कुछ न कुछ कर लेते हैं।

आधार

- ✤ आप विगत के कार्यों के सहारे ही आगे बढ़ते हैं, इसलिए आगे बढ़ने के लिए अपना पिछला आधार मजबूत होना चाहिए।
- ✤ जो दूसरों के आधार को अपना समझ लेता है, फिर उसे अपना आधार कभी नहीं मिलता।

आलाप

- ✤ बारिश जिस सतह पर गिरती है वह उसी के स्वरों का आलाप करने लगती है।

आनन्द

- ✤ सीखी हुई कलाओं के नाम गिनाने का आनन्द कुछ और ही होता है।

आराम

- ✤ प्रत्येक गतिशील वस्तु को भी थोड़ा आराम देते हुए चलना होता है।
- ✤ नियंत्रणमुक्त घोड़ा, गाड़ी को रोककर अपने आराम के लिए सोचेगा।
- ✤ आराम के क्षणों में ही खुलकर आपसी बात का मजा आता है।

आश्वासन

- ✤ दुःखों से भरे हृदय को आश्वासन देने वाले बहुत-से मुख मिल जाते हैं।

आस्था

- ✤ आप जिस चीज से खुश होते हैं उस पर ही अपनी आस्था अत्यधिक रखने पर आपकी खुशियाँ और अधिक बढ़ जाती हैं।
- ✤ आस्था उतनी दूर तक ही निभानी चाहिए जिससे आपकी कमर न टूटे।

आश्रित

✤ दूसरों पर आश्रित होकर चलने की आदत डाल लेने पर, फिर आप अकेले नहीं चल पाते हैं।

आलोचक

✤ आलोचकों को काँटे तुरंत दिखलायी पड़ते हैं और फूल कुछ देर बाद।

आलोचना

✤ जो चीजें अपनी श्रेष्ठता दिखला चुकी होती हैं, उनकी आलोचना बेहद मुश्किल है।

✤ कमजोर मन से अपनी आलोचना बर्दाश्त नहीं होती है, लेकिन मजबूत मन इससे कुछ न कुछ सीख ही लेता है।

✤ प्रशंसा करके आप किसी से भी जुड़ सकते हैं, लेकिन आलोचना करके कभी नहीं।

आवाज

✤ कमजोरों की आवाज बलशाली लोगों की आवाज के सामने बहुत धीमी सुनाई पड़ती है।

आशीर्वाद

✤ आशीर्वाद सभी को दिया जा सकता है लेकिन प्रेम कुछ एक से ही किया जा सकता है।

आश्चर्य

✤ भाग्य और दुर्भाग्य दोनों इतने दबे हुए पाँव आते हैं कि उनका आना हमेशा हमें आश्चर्यचकित कर देता है।

आसमान

✤ एक किसान को पूरे जीवन-भर खुले आसमान को अपने सिर पर बाँधे हुए रखना होता है।

इ

इंतजार

- ✤ जो आपका साथ नहीं दे पाएँगे, उनका इंतजार नहीं करना चाहिए।
- ✤ अच्छे या बुरे परिणाम का इंतजार झूले की तरह मन में झूलता रहता है।

इच्छा/इच्छाएँ

- ✤ जो दूसरों को देने की इच्छा रखते हैं, उनके हाथ प्रायः खुले रहते हैं।
- ✤ अचानक मन में आयी कोई इच्छा एक बीज है जो धीरे-धीरे एक बड़े पेड़ का रूप ले लेती है।
- ✤ किसी में भी यह जानने की प्रबल इच्छा होती है कि उसके द्वारा बतायी गयी उक्ति से कुछ लाभ हुआ या नहीं।
- ✤ जब किसी से कुछ जानने की इच्छा होती है तो उससे मिलने की इच्छा भी प्रबल हो उठती है।
- ✤ इससे पहले कि इच्छाएँ मर जाएँ, उन्हें पूरा करने की निरंतर कोशिश करनी चाहिए।
- ✤ जब आपकी इच्छाएँ बहुत कम हों तो पतंग के धागे के सहारे भी आप ऊँचा उड़ सकते हैं।

इच्छाशक्ति

- ✤ आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति लोगों से कुछ न कुछ हासिल कर ही लेती है।

इतिहास

- ✤ अपना इतिहास निर्मित करने के लिए आपको अपनी बहुत सारी उपलब्धियों को प्राप्त करना पड़ता है।

इरादा

✤ किसी के मजबूत इरादों को रोकने की कोशिश करने वाले प्रायः निराश हो जाते हैं।

इलाज

✤ कुछ परेशानियाँ ऐसी होती हैं जिनका इलाज केवल स्वयं के द्वारा ही हो सकता है।

इस्तेमाल

✤ उपलब्ध साधनों का इस्तेमाल करना भी एक कला है।

ई

ईंधन

✤ क्रोध को जब तक ईंधन मिलता है तब तक वह सुलगता रहता है।

ईश्वर

✤ काम में आपकी तल्लीनता, ईश्वर के सान्निध्य में प्रवेश ही है।

ईर्ष्या

✤ जो स्वाद आपको नहीं मिलता, उसे दूसरों को चखते देखकर ईर्ष्या होती है।

उ

उजाले

✤ साँप अँधेरे में तृप्ति पाता है और फूल उजाले में खिलकर।

उतावलापन

✤ अपनी खास चीजों को दूसरों को दिखलाने का उतावलापन सभी में मौजूद होता है।

उत्तर

✤ सवालों का पहाड़ खड़ा करने पर वे आपसे ही उत्तर माँगने लगते हैं।

उत्तरदायित्व

✤ किसी का आपके प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह ही, बहुत बड़ा सहारा होता है जीवन का।

उत्तेजना

✤ वासना उत्तेजना का ही एक रूप है।

उत्साह

✤ एक नया काम सीख लेने के बाद, आप मीलों चल सकते हैं, ऐसा उत्साह मन में जाग उठता है।

✤ विद्वानों में अधिक से अधिक विद्वत्ता पाने का उत्साह जीवन भर बना रहता है।

✤ उत्साह का गुब्बारा कई दिनों तक आसमान में उड़ता रहता है, जब तक कोई अड़चन नहीं आ जाती।

✤ एक सक्षम व्यक्ति में नये-नये उत्साह हर दिन जनमते रहते हैं।

उत्सव

✤ उड़ रही इत्र की गंध उदास माहौल को उत्सव में बदलने लगती है।

उत्सुकता

✤ जितनी अधिक उत्सुकता होगी, आँखें उतनी अच्छी तरह से खुलेंगी।

उपद्रव

✤ तंग करनेवाले उपद्रवों से सारी दुनिया भरी पड़ी है।

उपस्थिति

✤ एक लेखक अपनी पुस्तकों के माध्यम से अनगिनत जगहों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा लेता है।

उपयुक्त

✤ सफलता को अंधी समझना एक बड़ी भूल है, वह हमेशा उपयुक्त लोगों का ही हाथ थामती है।

उपयोग/उपयोगी

✤ पढ़ाई का बेहतरीन उपयोग आपके द्वारा किये गए विद्वत्तापूर्ण कार्यों में झलकता है।

✤ समझदारी से आप अनुपयोगी चीजों को भी उपयोग में लाना सीख जाते हैं।

✤ वह चीज ही उपयोगी है जो बहुत लोगों के काम आ सके।

उपवन

✤ जीवन को अच्छी तरह से निर्मित कर लेने के बाद वह एक लाभकारी उपवन बन जाता है।

उपहार

✤ आपके दिए उपहार उन्हें ही अधिक पसंद आते हैं, जो इन चीजों से पूर्व में वंचित रहे हों।

उम्र

- अपने आप को लम्बी उम्र तक ले जाने के लिए गहन इच्छाशक्ति और यत्न चाहिए।

उल्लू

- उल्लू चुपचाप बैठा रहता है और पक्षी खेल रहे होते हैं।

ऊ

ऊँचाई

- ऊँचाई पर स्थित व्यक्ति सभी को खूब अच्छी तरह से दिखलाई देता है।
- माता-पिता बच्चों को एक-एक सीढ़ी चढ़ाते-चढ़ाते एक दिन आत्मनिर्भरता की ऊँचाई तक पहुँचा देते हैं।

ऊर्जा

- आपमें मौजूद सजग ऊर्जा ही प्रेरणा के स्रोतों को ठीक से पकड़ पाती है।

E:\Sansthan\Sukti
IIIrd Proof

ए

एकजुट

✤ जब लोग एकजुट हो जाते हैं तो उनकी कमजोरियों से लाभ उठाना बेहद मुश्किल हो जाता है।

एकता

✤ जब लोगों के बीच साम्प्रदायिक एकता अधिक होती है, बेईमानों के लिए बेईमानी के अवसर कम हो जाते हैं।

एकाग्रता

✤ एकाग्रता की कला बिखरे हुए मन को तुरंत जोड़ देती है।
✤ एकाग्रता हमेशा दुखी मन का साथ छोड़ देती है।
✤ एक गुफा में अन्दर जाने के बाद आपकी एकाग्रता पूरी तरह से गुफा को समर्पित हो जाती है।
✤ जब आप एकाग्रता से काम करते हैं तो शाम ढलने की खबर आपको कोई दूसरा देता है।

ओ

ओस

✤ ओस को पकड़े रहने की जिद बेवकूफी होती है।

औ

औरत/औरतें

- ✤ एक औरत का अत्यधिक परिश्रम ही घर को स्थायित्व दे पाता है।
- ✤ औरतें मर्दों से अपना काम इस तरह से निकालती हैं जैसे कौवे कोयल से।
- ✤ मर्दों की मीठी बातों में औरतें ऐसे घुल जाती हैं जैसे धरती में ओस की बूँदें।

क

कंकड़

- किसी को अत्यधिक सताया जाना मिट्टी को सुखाकर कंकड़ बना देने जैसा है।

कठपुतली

- कठपुतलियाँ बोलती नहीं हैं, करके दिखलाती हैं।

कर्ज

- अमीरों के पास कर्ज उतारने के हजार उपाय हैं, लेकिन गरीबों के पास केवल उनका श्रम ही है।
- अत्यधिक कर्ज में डूबे हुए मनुष्य का पसीना भी तड़प-तड़पकर नीचे गिरता है।
- कर्ज में डूबा हुआ शरीर अपना खून हर दिन सूदखोरों को पिलाता रहता है।
- कर्ज बैलगाड़ी पर लादे गए बोझ की तरह हमेशा आपको अपने भार से दबाए रखता है।

किस्मत

- अच्छे फल और सब्जियों की किस्मत ही कुछ ऐसी है कि वे बड़े हाथों के द्वारा पहले ही चुन ली जाती हैं।

कद्र

- अधिक टिकाऊ फूलों की कुछ खास कद्र होती है।

कब्र

✤ झड़े फूलों की कब्र पेड़ की छाँव तले ही बनती जाती है।

कपड़े

✤ एक ही रंग के कपड़े पहनने वाले, आपस में बहुत जल्दी घुल-मिल जाते हैं।

कमजोर/कमजोरी/कमजोरियाँ

✤ कमजोर निर्देशों का पालन करने में सक्षम लोगों को परेशानी होती है।
✤ कमजोर दिल के लोगों को बड़े काम में हाथ नहीं डालना चाहिए।
✤ आपकी कमजोरी से दूसरे लाभ उठाते हैं तथा दूसरों की कमजोरी से आप लाभ उठाते हैं।
✤ कुछ कच्ची लकड़ियाँ मौजूद रहने पर आग को कमजोर कर देती हैं।
✤ जब आपकी कमजोरी जगजाहिर होगी तो उस पर आक्रमण होंगे ही।
✤ एक स्थापित व्यक्ति अपनी कमजोरियाँ बहुत दिनों तक छुपाए रख पाता है।

करेला

✤ करेला अपने माली की जीभ पर भी कड़वाहट ही परोसता है।

कलह

✤ प्रत्येक असंतुष्टि कलह में बदल जाती है।
✤ दोनों पक्षों का कोई प्रिय ही कलह का फैसला ठीक से करा पाता है।

कला

✤ किसी भी कला को कठिन साधना के सहारे ही जीवित रखना होता है।
✤ कोई भी कला अगर मनुष्य जीवन से नहीं जुड़ती है, तो वह अधूरी रहती है।
✤ अपनी आत्मा कला को देने पर ही कला आपको कुछ दे पाती है।

कलाकार

- ✤ अपने सृजन में त्रुटियों का रह जाना, एक कलाकार को अत्यधिक दुखी करता है।
- ✤ बड़े कलाकार में लोगों को तृप्त करने की वैसी ही क्षमता होती है, जैसे जल में प्यासे को।
- ✤ सुन्दर कृति को देखकर, कलाकार की याद आने लगती है।

कलाकृति

- ✤ जब आप श्रेष्ठ कलाकृति बनाते हैं तो वह भी आपको श्रेष्ठ बना देती है।

कलाप्रेमी

- ✤ एक आभूषण-प्रेमी की तुलना में कलाप्रेमी हमेशा प्रशंसनीय होते हैं।

कवि

- ✤ कवि वही है जो शब्दों से रस निकालकर पाठकों तक पहुँचा सकता है।

कविता

- ✤ जब कोई लिखा, बोला या पढ़ा हुआ वाक्य हृदय से बार-बार बातें करने लगता है तो वह कविता ही है।

काँटा/काँटे

- ✤ शराब और मादक धुएँ की गंध अपने प्रेमियों को वैसे ही लुभाती हैं जैसे कोई आहार लगा काँटा मछलियों को।
- ✤ बुराई की हदें पार करने पर केवल काँटे ही दिखने लगते हैं।
- ✤ ईर्ष्या करने से दूसरों की सफलता का कोई कोना काँटे की तरह आपको चुभने लगता है।
- ✤ कभी-कभी काँटे भी बेहद जरूरी हो जाते हैं—अपनी सुरक्षा के लिए।
- ✤ काँटे हमेशा अपने मालिक की सुरक्षा देखते हैं, दूसरों की सुविधा नहीं।

कान

✤ अपने मन की बात सुनने के लिए हाथी जैसे बड़े कान नहीं चाहिए।

कानून

✤ कानून के आगे हाथ फैलाना भी एक बेहद थकावट से भरा काम होता है।

✤ कानून न्याय देने से पहले आपको अपनी जटिलता में उलझायेगा ही।

काम

✤ प्रत्येक काम अनेक छोटे-बड़े का सहारा लेकर पूरा होता है।

✤ अच्छे लोग वैसा काम करना कभी नहीं छोड़ते, जिनसे बहुत सारे लोगों को लाभ प्राप्त होता है।

✤ आगे बढ़ने वाले लोगों का शरीर एक साथ अनेक तरह का काम करता हुआ दिखाई देता है।

✤ जो अपने काम से प्रेम करते हैं, वे अनेक गुणों से सम्पन्न होते जाते हैं।

✤ आप कुछ वैसे काम भी करते हैं जो गलत तो नहीं होते, लेकिन उन्हें अपनों से छिपाकर रखना पड़ता है।

✤ मन से काम करने वालों को मीठे जल स्रोत की तरह सभी प्यार करते हैं।

✤ जैसे हवा शरीर को नहीं छोड़ती वैसे ही काम से प्रेम करने वाले काम को नहीं छोड़ते।

कामयाब

✤ कामयाब लोग केवल काम की बात सुनते और बोलते हैं।

✤ अधिकतर लोग थोड़ी-सी सीढ़ियाँ चढ़कर थक जाते हैं, जबकि कामयाब लोग एक सीढ़ी को चढ़कर फिर दूसरी नयी सीढ़ी तलाशते हैं।

कामोत्तेजना

✤ कामोत्तेजना की छोटी-सी झलक भी लोगों को उत्तेजित करने लगती है।

कार्य

- ✤ कार्य आरम्भ करने से पहले कार्य-प्रणाली का सबसे अधिक महत्त्व होता है।

किसान

- ✤ बीज बोने से लेकर उसके बिकने तक इंतजार ही इंतजार करता है एक किसान।
- ✤ किसान की जमीन और उसका तन, सूखा पड़ने पर एक साथ सूखता है।
- ✤ किसान की बात चाहे और कोई सुने चाहे न सुने, उसके बैल तो जरूर सुनते हैं।

कीमत

- ✤ एक बड़े आदमी का घोड़ा हमेशा ऊँची कीमत पर ही बिकता है।

क्रूरता

- ✤ बच्चों के पाँव बाँध देने जितनी ही क्रूरता होती है, जानवरों को कैद करने में।
- ✤ मनुष्य के शरीर से मानवता मर जाने पर फिर वहाँ केवल क्रूरता ही निवास करती है।

क्रोध

- ✤ उपजे हुए क्रोध को देखकर सभी को भय लगता है।
- ✤ कभी-कभी कृत्रिम क्रोध जरूरी हो जाता है व्यर्थ की उलझनों से बचने के लिए।
- ✤ अपनों पर किया गया क्रोध स्वतः ही शांत हो जाता है।
- ✤ एक नापसन्द व्यक्ति को देखकर आपका क्रोध भड़कने लगता है।

कुआँ/कुएँ

- ✤ बहुत सारे लोगों की प्यास मिलकर जब जमीन की ओर देखती है, तब जाकर एक कुआँ खोदा जाता है।

- ✤ कुएँ से बहुत अधिक पानी निकाल लेने के बाद वह भी प्यासा हो जाता है।
- ✤ कुएँ के तल को नीचे जाते देखकर लोगों के कंठ सूखने लगते हैं।
- ✤ कुएँ का प्रयोग न होने पर वे अपनी गहराई और स्वच्छता दोनों खो बैठते हैं।
- ✤ पानी देने वाले कुएँ कभी बूढ़े नहीं होते।
- ✤ अपने जल से तृप्ति देने वाले कुएँ; पत्थर फेंकने पर दुःख से चीत्कार उठते हैं।

कुल्हाड़ी

- ✤ दो पेड़ काट लेने के बाद कुल्हाड़ी पूरे जंगल की ओर देखने लगती है।

कुव्यवस्था

- ✤ कुव्यवस्था में जरूरतमंदों को मिलनेवाला लाभ बेईमानों के हक में चला जाता है।

कुर्सियाँ

- ✤ जहाँ कुर्सियाँ कम होती हैं, लोगों में उनके खाली होने के लिए हड़बड़ी मची होती है।

कूड़ादान

- ✤ जीने का सलीका न होने पर आपका घर कूड़ादान बन जाता है।

कृत्रिम

- ✤ कृत्रिम सुन्दरता थोड़े से पानी में ही धुल जाती है।
- ✤ अनेक कृत्रिम चीजें, वास्तविक की तरह भी अनुभूति दे देती हैं।
- ✤ आपके सारे कृत्रिम अभाव प्रकृति से जुड़ने पर दूर हो जाते हैं।
- ✤ अति दुर्लभ चीजों के कृत्रिम रूप भी लुभा पाते हैं लोगों को।

कोमल

✤ अभी-अभी उपजे कोमल पत्तों पर तो किसी का भी मन रीझ जाता है।

कोशिश

✤ कोशिश करने पर, अपने आपको खुश करने का कोई न कोई रास्ता निकल ही आता है।

क्ष

क्षमा

✤ घनिष्ठ प्रेम बिना क्षमा माँगे ही सारी भूलें माफ कर देता है।

क्षमता

✤ क्षमता से अधिक श्रम करना, धीरे-धीरे कोड़े बरसाने लगता है शरीर पर।

✤ बड़ी क्षमता वाले लोग छोटे अवसरों की ओर तथा छोटी क्षमता वाले बड़े अवसरों की ओर नहीं देखते।

✤ बिना उपयोग के गर्म पानी भी अपनी क्षमता खो बैठता है।

✤ प्रत्येक भूमि कोई न कोई ऐसे फल उपजाने की क्षमता रखती है जो उसे प्रसिद्ध कर दे।

ख

खतरनाक

✤ खतरनाक चीजें कभी भी आपको दंड दे सकती हैं।

खदान

✤ खदान में काम करने वाले लोग अपनी मौत का डर, घरवालों के सिर पर छोड़कर सुरंग में उतरते हैं।

खाई

✤ कई बार आपस की खाई बंद करने के बाद आप सोचते हैं; इसे रहने ही देते तो अच्छा होता।

खासियत

✤ अपनी किसी खासियत से अनेक लोगों को लुभाने के बाद ही आप प्रसिद्ध हो पाते हैं।

खिड़की

✤ रेलगाड़ी के सफर में हर बीतता हुआ समय खिड़की से दिखलायी देता जाता है।

खुशी/खुशियाँ

✤ थोड़ी-सी खुशी भी हमारे दुख को कुछ देर के लिए कम कर देती है।
✤ चार लोगों की खुशी पाँचवें को भी अपनी ओर आकर्षित करती है।
✤ सूखा हुआ पेड़ झूले को सहारा दे सकता है लेकिन बच्चों को खुशी नहीं।

- ✤ वैसे काम जिनसे खुशी मिलती है, उसे आप बार-बार करना चाहते हैं।
- ✤ एक खुशी से झूमता हुआ व्यक्ति सभी में आनन्द की लहरें पैदा कर देता है।
- ✤ खेल का मैदान प्रारंभ में अत्यधिक खुशी देता है, लेकिन अंत में गहरी थकान।
- ✤ खुशियाँ बहुत महँगी होती हैं, वे अत्यधिक समय और श्रम देने के बाद ही मिलती हैं।
- ✤ खुशियाँ बड़े त्योहारों के पाँव हैं।
- ✤ विद्वत्ता-जनित खुशियाँ ही अधिक देर तक टिकती हैं किसी के पास।

खून

- ✤ आशावान लोगों का खून औरों की अपेक्षा कुछ तेजी से ही दौड़ता है।

खेत

- ✤ खेत में बीजों को छोटी-सी जगह चाहिए, लेकिन बाद में गोदामों में एक बहुत बड़ी जगह।
- ✤ खेत और बगीचों में काम करने वालों का मन दूसरी जगह जल्दी नहीं लगता।

खेल

- ✤ रस्सी खींचने के खेल की तरह, इस दुनिया में सभी आपस में उलझे होते हैं।
- ✤ खेल शुरू होते ही हार-जीत की चिंता नाक पर आ बैठती है।

ग

गंदगी

- ✤ गंदगी सड़ने से पहले आपको साफ करने का मौका जरूर देती है।
- ✤ अपनी गंदगी को छिपाने की बजाय उसे हटा देना अधिक उचित होता है।

गणित

- ✤ एक व्यवसायी को गणित के अंकों से कभी छुटकारा नहीं मिलता है।

गरीब

- ✤ गरीब आदमी को अपनी सारी पीड़ाओं का गट्ठर बनाकर उसे सिर के नीचे रखकर सोना पड़ता है।

गलती/गलत

- ✤ लोग गलतियाँ कम करते हैं जब वे समझते हैं कि इससे दूसरों को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ✤ गलत जगहों में लोग सिर छुपाकर घुसते हैं और सही जगहों में लोग सिर उठाकर।
- ✤ कुछ गलतियाँ इस तरह की होती हैं, जिन्हें कभी सुधारा नहीं जा सकता।

गर्भधारण

- ✤ गर्भधारण के बाद सभी तरह के जीव आदरणीय हो जाते हैं।

गर्भ

- ✤ एक विकसित समाज गर्भ से बच्चे की कामना करेगा, न कि बेटा या बेटी।

- एक पेड़ के कटने के साथ उसके गर्भ में मौजूद हजारों बीजों की भी मृत्यु हो जाती है।

गले

- सुराही के गले और हमारे गले में तृप्त करने जैसा कोई संबंध है।

गहराई

- किसी चीज की गहराई में झाँकने से ही मालूम होता है कि हमें वहाँ से क्या प्राप्त हो सकता है।

गाँठ

- गाँठ तभी लगायी जाती है, जब दोनों धागों की ताकत लगभग एक जैसी हो।

गाँव

- शहर की जड़ें हमेशा नजदीक के गाँव को छूना चाहती हैं।
- छोटे-से गाँव में पैसे केवल जेब में बजते रह जाते हैं, उनसे खरीदने लायक कोई भी चीज दिखलायी नहीं देती।

गाय

- बूढ़ी पालतू गाय भी रस्सी खोल देने पर, अपनी राह निकाल लेती है पेट भरने का।
- सताये जाने पर भी गाय के वश में नहीं होता कि आपको दूध देना बंद कर दे।

गीत

- प्रेरणादायी गीत कभी पुराने नहीं होते।

ग्राहक

- तराजू के पलड़े जैसे-जैसे संतुलित होते जाते हैं, ग्राहक के मन में शांति आती जाती है।

गृहिणी

✤ चम्मच के बिना एक गृहिणी के हाथ छोटे हो जाते हैं।

गुणवान

✤ कुछ पौधे अत्यधिक गुणवान होते हैं; वे पत्थर पर भी अपनी जड़ें जमा लेते हैं।

गुणवत्ता

✤ किसी को भी अपनी गुणवत्ता दिखाने के लिए, काम करने की छोटी या बड़ी जगह कोई खास अर्थ नहीं रखती है।

गुण

✤ बाधाओं के पास एक बड़ा गुण है, लोगों को रोके रखने का।

गुलाम

✤ कुछ मन पसंदीदा स्वाद हमें जीवनभर अपना गुलाम बनाकर रखते हैं।

गुफा

✤ तलवार की म्यान दरअसल शेर की गुफा की तरह ही होती है।

✤ गुफाएँ बिना देखभाल के भी कभी पुरानी नहीं होतीं।

घ

घटनाएँ

✤ किसी के भी जीवन में अप्रत्याशित घटने वाली घटनाएँ बहुत-सी रहती हैं।

घड़ी

✤ मेहनती इंसान घड़ी की ओर नहीं देखता, घड़ी उसकी ओर देखती है।

घबराहट

✤ एक शंकालु आचरण, आस-पास के लोगों में घबराहट पैदा करता है।

घर

✤ एक अच्छे सदस्य का कई दिनों तक न रहना घर को व्यथित कर देता है।

✤ पक्षी किसी दोस्त के लिए नहीं रुकते, शाम होते ही घर वापस लौट आते हैं।

✤ एक खुशहाल घर आपकी थकान को धीरे-धीरे मिटाता जाता है।

✤ रेत हर घर की दीवारों में निवास कर लेती है जब कि कठोर पत्थर बाहर पड़े रह जाते हैं।

✤ नये घर में आपके साथ-साथ नये-नये खर्च भी प्रवेश कर जाते हैं।

✤ अपने घर में आप कहीं पर भी बैठ सकते हैं, जबकि दूसरों के यहाँ सिर्फ कुर्सी पर।

घोड़े

✤ घोड़े चुप रहते हैं, लेकिन उनकी ताकतवर टाप बजती रहती है।

च

चक्की

✤ चक्की के पाट पर पड़ा दाना अब खेतों की बजाय दूसरे की भूख मिटाने की यात्रा पर निकल पड़ता है।

चतुर

✤ चतुर व्यक्ति अपना काम साधने के लिए लोगों को प्यार से भर देता है।

चतुराई

✤ सरल और सुगम रास्तों में चलने के लिए किसी चतुराई की जरूरत नहीं होती है।

चर्चा

✤ वह सुंदर स्थान ही अधिक चर्चित होता है जहाँ लोग आसानी से पहुँच पाते हैं।

चयन

✤ श्रेष्ठ चयन की परिपक्वता धीरे-धीरे आती है।

चलना

✤ पैदल चलकर ही आप बहुत कुछ छिपा हुआ भी देख सकते हैं।

चाँद

✤ चाँद की सुन्दरता समुद्र के किनारे, अपने चरम पर होती है।

✤ चाँद की रोशनी गाँव के लिए बहुत बड़ा सहारा है।

चालाक

- चालाक लोगों को सरल काम सबसे पहले दिख जाता है।
- चालाक लोग दूसरों की चिन्ता दूर करने के लिए अग्रसर होते हैं, लेकिन अन्त में मुक्त होते हैं अपनी चिन्ताओं से ही।

चाहत

- जब आप बहुत-सी चीजों को एक साथ पाने के लिए आगे बढ़ते हैं तो एक को भी प्राप्त नहीं कर पाते हैं।

चिन्ता

- कभी-कभी एक व्यक्ति का कष्ट अनेक लोगों की चिन्ता का कारण बन जाता है।
- खून की तरह चिन्ताएँ दौड़ती रहती है—आभावग्रस्त लोगों के सिर में, अपने समाधान के लिए।
- जो अपने बजाय, दूसरों के लाभ की चिन्ता अधिक करते हैं, उनका राजनीतिक जीवन हमेशा सुरक्षित रहता है।
- एक अच्छे कामगार को अपने काम से दूसरों को खुश करने की चिन्ता अवश्य रहती है।

चिड़ियाँ

- एक झुंड में सबसे अधिक शोर मचाने वाली चिड़ियाँ, अपने आप को सभी का मुखिया साबित कर देती हैं।

चिढ़

- चिढ़े हुए लोग केवल आप से नहीं, आपकी हर अच्छी चीज से चिढ़ते हैं।

चित्र

- सभी तरह के शोर अपना एक चित्र बना देते हैं—आपके मन में।

चुटकुले

- अच्छे चुटकुले बिना किसी चेष्टा के दूर-दूर तक फैलते जाते हैं।

चुप

✤ आदमी चुप नहीं रह सकता या तो वह दूसरों से बातें करेगा या अपने आप से।

चुनौती

✤ विकल्पों की बहुलता में सही चुनाव करना एक बहुत बड़ी चुनौती होती है।

चूहा

✤ एक चूहा अपनी जरूरत के अनुसार ही बिल खोदता है।

चोर

✤ चोरी करने के बाद चोर की बहादुरी भय में बदल जाती है।

छ

छत

✤ अनेक खम्भों के सहारे खड़ी छत कभी नहीं गिरती है।

E:\Sansthan\Sukti
IIIrd Proof

ज

जख्म

✤ जिन्होंने आपको जख्म दिए हैं, उनकी नजरें बार-बार आपके जख्मों को फिर से हरा करने की ओर होती हैं।

जगह

✤ काम करने के लिए दो ही जगह हैं, एक जमीन और दूसरी कुर्सी। एक से शारीरिक अनुभव होता है तो दूसरे से मानसिक।

जड़/जड़ें

✤ जड़ें पैदा होती अपने साथ जीवनभर का एक ही तरह का काम लिये हुए।

✤ जड़ें फैलती हुई दूर तक चली जाती हैं, लेकिन अपने पेड़-परिवार को नहीं छोड़ती हैं।

✤ अच्छे कामों की जड़ें जब एक बार जमीन को पकड़ लेती हैं तो फिर वे अपने आप पनपती रहती हैं।

जमीन

✤ किसी की जायदाद के रूप में खाली पड़ी जमीन, न किसी को छत दे पाती है और न ही फसल।

जबर्दस्ती

✤ कई बार आप दूसरों के द्वारा परेशानियों में जबर्दस्ती ढकेल दिए जाते हैं।

- जिन्हें जबर्दस्ती काम पर लगाया जाता है, वे कभी भी भाग खड़े हो सकते हैं।

जरूरी

- आपकी परेशानी उस वक्त बढ़ जाती है, जब आपके महत्त्वपूर्ण कामों को दूसरे लोग कम जरूरी समझते हैं।

जल्दीबाजी

- सफलता पाने के लिए जल्दीबाजी करना, पीड़ा का कारण बन जाता है।

जटिलता

- संयुक्त परिवार में जटिलता पेड़ की जड़ों की तरह फैली हुई होती है।

जल

- जल चीजों को कोमल रखता है और इसका अभाव कठोर।

जलाशय

- एक स्वच्छ जलाशय के पास सभी रुक जाते हैं।

जिन्दगी

- कोई नया काम सीख लेने के बाद जिन्दगी थोड़ी आसान लगने लगती है।
- मृत्यु के समय ही आपको ठीक से अनुभव होता है कि जिन्दगी कितनी महत्त्वपूर्ण थी।
- साधारण और सरल जिन्दगी में भी निराशा और क्षोभ आसानी से अपना घर बना लेते हैं।
- मुश्किल जिन्दगी में, आपको अपनी हर चीज सँभालकर रखनी होती है।
- लोगों को छकाने का खेल जिन्दगी हर पल खेलती रहती है।

जाँच

- असफलता अक्सर आपको रोककर आपकी दृढ़ता की जाँच करती है।

✤ किसी भी काम की जाँच हो जाने पर उसमें विश्वसनीयता आ जाती है।

जागरूक

✤ वे ही जागरूक हैं जिन्हें मालूम है कि वे अपने शरीर से किस तरह का काम ले सकते हैं।

✤ एक जागरूक व्यक्ति की चिन्ता का कभी अंत नहीं होता है।

जानकारियाँ

✤ विस्तृत जानकारियाँ व्यापारिक योजनाओं के लिए आधार होती हैं।

✤ आपको जानकारियाँ अलग-अलग दिशाओं से प्राप्त होती हैं, लेकिन उनका इस्तेमाल एक दिशा में ही होता है।

जाल

✤ जाल में फँसने के बाद ही जाल फैलाने वाला दिखलाई देता है, हानियाँ भी इसी तरह से चुपचाप प्रवेश कर जाती हैं।

जिद

✤ जिद्दी व्यक्ति को अपनी जिद पूरा करवाने में ही सबसे अधिक सुख मिलता है।

जिम्मेवार

✤ जिम्मेवार लोगों की सुबह का प्रारम्भ अपने अधूरे कामों को याद करते हुए होता है।

जिम्मेवारियाँ

✤ जिम्मेवारियाँ पूरी करके ही आप आपने कंधों को भार-मुक्त कर सकते हैं—उसके पहले नहीं।

जिज्ञासा

✤ निरर्थक जिज्ञासा, केवल आपका समय नष्ट करती है।

जीवंत

- ✤ फूल से लदे पौधे छोटी-सी जगह को भी जीवंत बना देते हैं।

जीवन

- ✤ जब दोस्तों की संख्या अधिक होती है तो निजी जीवन जीने का समय भी कम हो जाता है।
- ✤ अंधकार भरे जीवन में नये अक्षरों से कुछ नया लिखने की सम्भावना बढ़ जाती है।
- ✤ एक फूल का जीवन मनुष्य की तरह डाली से बाहर निकलकर खिलने एवं मुरझाने जैसा ही होता है।
- ✤ जीवन का एक छोर पेड़ के तने की तरह बाहर और दूसरा जड़ों की तरह हमेशा छिपा होता है।
- ✤ जब आप पीड़ा और थकान से मुक्त होते हैं तो महसूस करते हैं कि यह जीवन कितना अच्छा है।
- ✤ जिनके लिए समय बिताना एक समस्या है, उनके लिए जीवन एक बोझ ही है।
- ✤ एक सुखी जीवन में रात और दिन लगभग एक ही जैसे बीतते हैं।
- ✤ आपको जीवन किसी तरह से भी जीना ही होगा; इससे आप पीछा नहीं छुड़ा सकते।
- ✤ जीवन संचालन के लिए सबसे जरूरी चीजों को सीखने की कला किसी में भी अपने आप आ जाती है।
- ✤ सुनसान जीवन तट पर नाव हमेशा अनुपस्थित होती है।
- ✤ जीवन की घटनाओं में हमेशा कोई न कोई नया मोड़ दिखाई देगा ही।
- ✤ जीवन के अंतिम क्षणों में आप फिर से एक बार जीवन को जानने का प्रयास करते हैं।
- ✤ एक सजग व्यक्ति हमेशा यह जाँचता रहता है कि उसका जीवन किन रास्तों से बढ़ रहा है।

- ✤ तावे का एक सिरा आग में दूसरा रोटी में होता है, इसी तरह दुःख और सुख के बीच खेलता है मनुष्य का जीवन।
- ✤ हर दिन जीवन को एक नये तरीके से जीना होता है।

जीभ

- ✤ जीभ को स्वाद अच्छा लगता है और शरीर को स्वास्थ्य।

जुबान

- ✤ अनेक लोगों के हाव-भाव बोलते रह जाते हैं, लेकिन जुबान नहीं खुलती।

जेब

- ✤ जेब में पैसे रहने पर भी मनोवांछित सुख का मिलना इतना आसान नहीं होता।
- ✤ खर्च एक कुदाल है, जिसका प्रहार हमेशा आपकी जेब पर ही होता है।

जोखिम

- ✤ जोखिमभरे कामों को आग बुझाने जैसी सूझ-बूझ के सहारे से ही पूरा करना पड़ता है।
- ✤ जो जोखिम को समझता है उसके पाँव काँटों से हमेशा दूरी बनाकर चलते हैं।
- ✤ जोखिम से डरने पर जीवन आपको ऊँचाइयों तक नहीं ले जा पाएगा।

ज्योतिष

- ✤ ज्योतिषों के मुख से केवल सितारों के स्वर ही बाहर निकलते हैं।

झ

झलक

✤ फूल अपनी पहली झलक में ही सबसे अधिक सुन्दर दिखते हैं।

झिझक

✤ डर और झिझक न होने पर आपकी बातें धारा-प्रवाह सबके सामने प्रकट होती हैं।

ट

टोकरी

✤ हमेशा कीमती मछलियों को अपनी टोकरी में देखना चाहता है प्रत्येक मछुआरा।

ठ

ठग

✤ व्यक्ति नहीं ठगाता, बल्कि उसकी कमजोरियाँ ठगी जाती हैं।

✤ ठग आता है खुशियाँ देने पर कई रातों की खुशियाँ छीनकर चला जाता है।

✤ ठगते समय अपने सारे गुणों को एक साथ जमा कर लेता है एक ठग।

ड

डर

- ✤ सभी तरह की परेशानियों में डर का कोई न कोई अंश छिपा होता है।
- ✤ एक चाबुक का डर नये घोड़े के लिए जल्द ही यह तय कर देता है कि उसे गाड़ी को लेकर कितना तेज दौड़ना है।

डरपोक

- ✤ डरपोक कभी बहादुरी दिखाने का जोखिम नहीं उठाते।

डाली/डालियों

- ✤ चिड़ियाँ अपने घर के लिए पेड़ की डालियाँ तोड़ती नहीं बल्कि चुनती हैं।
- ✤ डालियों के हाथ हमेशा बढ़े हुए होते हैं आपको फल-फूल देने के लिए।

ढ

ढलान

- ✤ ढलान पर खड़े होने से मालूम होता है कि निचली चीजों में भी कितनी ताकत होती है।

त

तट

✤ सुन्दर तट के बिना न तो नदियाँ अच्छी लगती हैं और न ही समुद्र।

तनख्वाह

✤ अपनी तनख्वाह पाने की खुशी एक बच्चे के मेले में कदम रखने जैसी ही होती है।

तरंगित

✤ अपने भीतर दुःख को भी बढ़ाया जा सकता है और सुख को भी। फर्क सिर्फ इतना है कि सुख तरंगायित करता हुआ बढ़ता है और दुःख मन को कचोटता हुआ।

तर्क

✤ अज्ञानी के तर्क पानी के बुलबुले ही होते हैं।

तराजू

✤ एक व्यापारी के सिर पे लाभ-हानि का तराजू हमेशा टँगा हुआ रहता है।

तरक्की

✤ कई बार महसूस होता है कि आपने काफी तरक्की कर ली है, जब कि आप होते हैं वहीं के वहीं।

तरीका

✤ जो आपके काम करने का तरीका समझता है, उसे ही आप हमेशा ढूँढ़ते हैं।

तलवार

- ✤ संकल्प की तलवार से विघ्नों को काटा जाता है।
- ✤ जब तक तलवार में खून नहीं लगता, तब तक वह अहिंसक ही कहलाएगी।
- ✤ अहिंसक लोगों के बीच तलवार एक तिरस्कृत वस्तु होती है।

तसल्ली

- ✤ अपनी नयी योजनाओं पर बेहद आत्मीय लोगों से ही प्रतिक्रिया प्राप्त कर तसल्ली पाते हैं लोग।

तस्वीर

- ✤ यात्रा की तस्वीरें हर बार आपको फिर उसी लोक में ले जाने की क्षमता रखती हैं।
- ✤ एक तस्वीर में ध्यान वहीं जाता है जहाँ सबसे सुन्दर स्त्री बैठी हो।

ताकत

- ✤ अच्छे परिणाम आपकी ताकत को बढ़ा देते हैं तथा बुरे परिणाम आपकी ताकत कम कर देते हैं।

ताजगी

- ✤ सुबह धीरे-धीरे आप में ताजगी भरना शुरू करती है और रात धीरे-धीरे आलस्य।

तारे

- ✤ तारों की झिलमिलाहट को वही समझ पाते हैं जिनको उनसे प्रेम है।

तालाब

- ✤ एक तालाब दूसरों की सारी गंदगी को स्वीकारने के लिए मजबूर होता है।

ताले

- ✤ ताले किसी भी सत्ताधारी की बात नहीं सुनते सिवा—अपनी चाभी की।

तिजोरी

- एक बंद तिजोरी के लिए सभी में उत्सुकता होती है।

तिनका

- लकड़ियों की आग में एक पतला-सा तिनका ही सबसे पहले सुलगता है, रोटी को आग देने के लिए।
- भाग्य साथ देने पर तिनका जलने की बजाय किसी चिड़ियों का घोंसला बन जाता है।

तुलना

- दो अति सुन्दर चीजों की तुलना मुश्किल है।

त्योहार

- धूम-धाम से मनाये जाने वाले त्योहार ही बार-बार लौटकर आते हैं।
- प्रत्येक त्योहार के पास अपना एक अलग तरह का स्वाद होता है।

E:\Sansthan\Sukti
IIIrd Proof

द

दयालु

✤ मुंडेर पर कबूतरों के लिए रखे दाने दरअसल किसी दयालु की हथेली को ही दर्शाते हैं।

दयनीय

✤ सबसे खराब समय वही है जो आपको बिलकुल दयनीय स्थिति में लाकर खड़ा करे।

दलदल

✤ मूर्खों से संबंध बनाये रखना अपने को दलदल में फँसा लेने जैसा है।

दरिद्रता

✤ शिक्षित होकर बच्चे अपनी पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है दरिद्रता को शिक्षा से काट डालते हैं।

दर्द

✤ जख्म से अधिक परेशान उसका दर्द करता है।

दवा

✤ जिस दवा की बात शरीर सुनता है, आप उसी पर अपना भरोसा बना लेते हैं।

दान

✤ अपने गुणों को दूसरों में बाँटना, एक तरह का दान ही है।

✤ आर्थिक स्थिति खराब होने पर दूसरों को दिया गया दान भी याद आने लगता है।

दाना

✤ चक्की के पाट में पड़ा हुआ दाना खेत-खलिहान को विस्मृत करता हुआ देहहीन हो जाता है।

दानी

✤ बार-बार एक ही याचक का हाथ फैला देखकर, एक दानी भी पीछे हट जाता है।

दायित्व

✤ बच्चे जन्म लेने से पहले ही अपने दायित्व का भार डाल देते हैं।
✤ पिता ऐसा दायित्व है, जिसे आपको अपनी मृत्यु तक निभाना होता है।

दास

✤ हम शरीर के ही दास हैं; इसे अधिक से अधिक सुख देने एवं संतुष्ट करने के लिए ही जीवित रहते हैं।

द्वार

✤ किसी भी चीज के प्रवेश द्वार को ढूँढ़े बिना आप उसमें प्रवेश नहीं कर सकते।

दासता

✤ हमेशा दूसरों की बुद्धि से चलने से आपका व्यक्तित्व दासत्व में बदल जाता है।

दीया/दीये

✤ एक दीया आपकी आध्यात्मिक प्यास बुझाने के लिए ही जलता है।
✤ दीये को आप तुरंत बुझा सकते हैं, साथ ही दीये से तुरंत बहुत कुछ जला भी सकते हैं।

- ✤ दीया सिर्फ एक फूँक से नहीं बुझता, एक बार फिर सोचने का मौका जरूर देता है।
- ✤ दीया जरूरत भर तेल स्वीकारता है तथा कहीं भी रखने पर एक जैसी ही रोशनी देता है।
- ✤ एक बुझी हुई रात में एक छोटा-सा दीया भी आशा की किरण बन जाता है।
- ✤ एक दीया भी रोके रखता है अंधकार को घर में प्रवेश करने से।
- ✤ हारे हुए व्यक्ति को अंत में एक बुझता हुआ दीया भी स्वीकार करना पड़ता है।
- ✤ सफल व्यक्ति खुद ही एक दीया होता है—दूसरों के लिए।

दोस्ती/दोस्त

- ✤ पुरानी दोस्ती एक छोड़ा हुआ घर है, जिसमें कभी भी आप प्रवेश कर सकते हैं।
- ✤ दो विरोधियों के घोड़े भी खाने-पीने और टहलने के समय अच्छे दोस्त बन जाते हैं।
- ✤ शर्तों के साथ दोस्ती नहीं, सौदा किया जाता है।
- ✤ एक नयी दोस्ती में सूई को थामने जैसी सतर्कता रखनी चाहिए।
- ✤ दोस्ती बिलकुल अपनत्व की भाषा के सहारे ही गाढ़ी होती जाती है।
- ✤ दुश्मनों की प्रशंसा करने पर उनसे दोस्ती करने का एक मौका हाथ आ जाता है।
- ✤ दोस्ती टूटने का सिलसिला दीपक के धीरे-धीरे बुझने जैसा ही है।
- ✤ अकस्मात हुई बड़े लोगों की दोस्ती को सपने की तरह भुला देना चाहिए।
- ✤ बड़े लोगों के दोस्त बहुत लोग होते हैं, लेकिन वे दोस्ती उन्हीं के साथ निभा पाते हैं, जिनके साथ उनका काम पड़ता है।

दिनचर्या

✤ कभी-कभी अपनी दिनचर्या में बदलाव लाकर, आप जीवन को एक नयी गति दे सकते हैं।

दिल

✤ साफ दिल हमेशा ओस की बूँद की तरह ही होता है।

दिलचस्प

✤ जिन्दगी दिलचस्प हो सकती है, अगर आप उसे सुन्दर बना लें तो।

दीवार

✤ कई बार संबंधों की दीवार गिराने के बाद पहले से भी अधिक मोटी खड़ी करनी पड़ती है।

दुर्घटना

✤ सावधान व्यक्ति को दुर्घटना होने से पहले बचने का छोटा-सा अवसर जरूर मिल जाता है।

दुनिया

✤ दुनिया ऐसे लोगों से भरी हुई है, जो कुछ भी नहीं करके अपना नाम चाहते हैं।

दूर

✤ चीजें स्पष्ट दिखलाई नहीं देती हैं; क्योंकि आप उनसे दूर होते हैं।

देखना

✤ जो दूसरों की ओर अधिक देखते हैं वे अपनी ओर कम ही देख पाते हैं।

देखभाल

✤ कुत्ते के गले में जितना सुन्दर पट्टा होता है, उतनी अच्छी उसकी देखभाल हो रही होती है।

दोष

- ✤ अपके मन के दोष दूर होने पर शरीर के दोष भी स्वतः दूर हो जाते हैं।

दुःख

- ✤ जीवन का सबसे बड़ा दुःख यह है कि मिले हुए को सँभाल न पाना तथा उसे छोड़कर नये की तलाश करना।
- ✤ दुःखों को दुःख उठाकर ही गुजारना होता है।
- ✤ दुःखों को भुलाया जाता है; याद नहीं किया जाता।
- ✤ बच्चे के रोने पर उसका दुःख सामने आता है और शेर के चिंघाड़ने पर दूसरों का।
- ✤ अगर जिन्दगी में दुःख न हो तो फिर भुलाने के लिए कुछ भी नहीं बचेगा।

दौड़

- ✤ उलझे हुए कामों के बीच से दौड़ते हुए कभी नहीं निकला जा सकता है।
- ✤ एक घोड़े की दौड़ ही काम में आती है न कि उसका चेहरा या कद।

दौड़कर

- ✤ आप दौड़कर थक जाते हैं, लेकिन कुछ लोग धीरे-धीरे चलकर भी बिना थके आप तक पहुँच जाते हैं।

दुकानदार

- ✤ सभी दुकानदारों को अपना सामान सबसे अधिक प्यारा होता है।

दुष्कर्म

- ✤ किसी दुष्कर्म को करने का सुख बेहद क्षणिक होता है, लेकिन उसके बाद दण्ड से बचने की प्रक्रिया बेहद लम्बी और पीड़ादायक होती है।

ध

धन

✤ प्रचुर धन बड़ा-बड़ा शौक पैदा करने लगता है।

धरती

✤ वह धरती जिस पर आपने पहली बार पाँव रखा होता है, अनजानी होकर भी आपसे पूरी तरह से लिपट जाती है।

धार्मिक

✤ धार्मिक कार्य मिलकर करने पर शोभा देते हैं और पठन-पाठन अकेले में।

धूर्त

✤ धूर्त, चोर-डकैत आदि न्यायिक प्रक्रिया को जितनी अच्छी तरह से जानते हैं, उतना आम लोग नहीं।

धोखा

✤ आदमी धोखा खाने के बाद वैसे ही जलता है जैसे कि एक लकड़ी।

धोखेबाज

✤ सबसे बड़ा धोखेबाज वही होता है जिसके धोखे को लोग समझ ही नहीं पाते हैं।

✤ धोखेबाज लोग मच्छर की तरह आपका खून पीकर भाग जाते हैं।

ध्यान

✤ जरूरत से ज्यादा तारीफ से एक मेहनतकश का ध्यान काम के बजाय तारीफ की ओर लग जाता है।

न

नजदीक

✤ सुन्दर चीजों के नजदीक जाते हुए सभी को अच्छा लगता है।

नदी

✤ सूखी नदी और प्यासे कंठ की एक जैसी ही स्थिति होती है।

नमक

✤ मूल्यहीन होने पर भी नमक की ही कद्र रसोई में सबसे अधिक होती है।

नारी

✤ नारियाँ वैसे गुणों की प्रशंसा की भूखी होती हैं, जिसके बारे में वे स्वयं भी नहीं जानती हैं।

नाव

✤ नाव सूखी जगह को देखकर वापस मुड़ जाती है।

✤ सैर कराने वाली नाव दूर जाती दिखाई देती है और तट को पार कराने वाली बिलकुल पास।

✤ किसी की नाव चोरी होने का दुःख, नदी के दोनों तटों पर महसूस होता है।

नाविक

✤ तेज मझधार का आना ही नाविक के लिए परीक्षा का समय होता है।

निकम्मापन

✤ गतिशील लोगों के साथ निकम्मापन चल नहीं पाता।

✤ काम बन्द कर देने पर निकम्मापन अपनी हरकतें शुरू कर देता है।

निपुण

✤ औरतें दो कामों में निपुण होती हैं—पहला अपने आपको सँवारना, दूसरा घर को सँभालना।

निभाना

✤ जल्दीबाजी और सतर्कता; दोनों को एक साथ निभाना बहुत मुश्किल काम है।

निरुपाय

✤ कई बार बहुत सारी कठिनाइयाँ निरुपाय होकर वर्षों-वर्षों तक आपके साथ बनी रहती हैं।

निपुणता

✤ आपकी निपुणता में वृद्धि होने के साथ-साथ ऊँचाई की ओर बढ़ने का मार्ग भी प्रशस्त होता जाता है।

नृत्यांगना

✤ नृत्य करते समय एक नृत्यांगना अपनी कला का भार नहीं बल्कि जीवन का भार उठा रही होती है।

निर्णय

✤ बड़े निर्णय हमेशा महत्त्वपूर्ण होते हैं क्योंकि इसके बाद बहुत सारी चीजें एक साथ गतिशील हो उठती हैं।

निमंत्रण

✤ अपनी सीमा से बाहर जाना विघ्नों को निमंत्रण देना है।

निर्वाह

✤ एक महत्त्वाकांक्षी व्यवसायी के साथ, एक महत्त्वाकांक्षी कर्मचारी का निर्वाह अच्छी तरह से हो जाता है।

नींद

- ✤ अधूरे कामों की याद नींद और आपके बीच आकर परेशान करती है।
- ✤ जब प्रशासन जगा हुआ रहता है तो लोग चैन की नींद सोते हैं।

नुकसान

- ✤ नुकसान को काबू में न करने पर उसकी मात्रा बढ़ती जाती है।
- ✤ एक व्यापारी के लिए व्यर्थ बीता हुआ समय आर्थिक नुकसान ही है।

नौकरी

- ✤ एक अच्छी नौकरी से भी लगातार कड़ी मेहनत करने के बाद ही कुछ प्राप्त हो पाता है।

नौजवान

- ✤ गैरजरूरी चीजों में हाथ डालने की आदत नौजवानों में अधिक होती है।

न्याय

- ✤ न्यायालय से न्याय पाने के लिए, लड़ाई गाड़ी में जुते बैलों की तरह कानून का बोझ खिंचते रहने जैसा ही है।
- ✤ सबसे अच्छा न्याय वही है जिसमें दोनों पक्ष संतुष्ट हो जाएँ।

न्यायालय

- ✤ न्यायालय यह कभी नहीं स्वीकारता है कि उसने कभी किसी के पक्ष में अन्याय किया है।

प

पकवान

✤ अभावग्रस्त की दावत में पकवान कम परोसे जाते हैं लेकिन मन की मिठास बहुत अधिक।

पछतावा

✤ कई बार सफलता प्राप्त करने के बाद भी मन में पछतावा रह जाता है कि इससे बड़ी सफलता का मार्ग क्यों नहीं चुना गया।

पड़ोसी

✤ पेड़ का हर एक पत्ता एक-दूसरे का पड़ोसी है।

✤ अधिक हक देने पर एक दिन पड़ोसी भी आपके रिश्तेदार बन जाते हैं।

पत्र

✤ जो भावना पत्र दे सकते हैं—वह स्वर नहीं।

पत्ता

✤ हाथ में रखा हुआ एक पत्ता, पेड़ से बिछुड़ जाने का आभास देता है।

पत्नी

✤ एक अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी व्यक्ति की पत्नी को अपनी बहुत सारी इच्छाओं से समझौता करना होता है।

परछाईं

✤ आपका चरित्र सुधरता है तो चेहरे से अज्ञान की परछाईं भी हटती जाती है।

पराजित

- बढ़े हुए पाँव जब पीछे हट जाते हैं तो आप पराजित हो चुके होते हैं।

परिपक्वता

- जैसे छोटा-सा चश्मा हर धुँधली चीज को साफ कर देता है वैसे ही आपकी परिपक्वता।
- प्रत्येक नयी यात्रा आपकी दृष्टि में थोड़ी परिपक्वता लाती है।
- परिपक्वता हमेशा कष्टों को झेलते रहने से आती है।

पशु-पक्षी

- एक पिंजरे में बंद पक्षी उड़ने के अलावा माता-पिता बनने के सुख से भी वंचित हो जाता है।
- पिंजरे में पक्षी का शरीर जीवित रहता है, लेकिन उसकी आत्मा धीरे-धीरे मरती जाती है।
- जिन रास्तों में पशु-पक्षी न दिखें तो समझ लीजिए यह कोई प्रदूषित जगह है।
- पक्षी अपनी ओर बढ़ी हुई हथेली देखकर समझ जाते हैं कि ये प्रेम के हाथ हैं कि बहेलिया के।

प्यारा

- दूसरों की सुविधा का ध्यान रखने वाला सभी का प्यारा हो जाता है।
- जो प्यार निभाना चाहते हैं वे दूर रहकर भी इसे निभा लेते हैं।
- अधिक टिकाऊ फूलों को अधिक दिनों का प्यार मिलता है।
- जो जिसे प्यार करते हैं, उनका भार उन्हें ही उठाना होता है।
- अनेक लोगों से हम प्यार करते हैं लेकिन सभी को अपना प्यार नहीं पहुँचा पाते।
- जिनसे प्यार होता है, उनका छोटा-सा दुख भी चुभने लगता है।

प्रवेश

- ✤ आँखें नोक की तरह सभी चीजों में सबसे पहले प्रवेश करती हैं।

परिवार

- ✤ परिवार के सदस्यों की जरूरतों को गैरजरूरी समझना आपसी कलह की जड़ होती है।
- ✤ बाहर के लोग नहीं; बल्कि आपका परिवार ही आपका सबसे बड़ा शुभचिन्तक होता है।
- ✤ केवल अकेले आगे बढ़ने की धुन में आपका परिवार पीछे छूट जाता है।
- ✤ एक परिवार का मुखिया वही है जिसे सभी को सुख देने में आनन्द आता है।
- ✤ लोग सँभलकर दान करते हैं ताकि परिवार इसे फिजूलखर्ची न समझें।
- ✤ परिवार में जुड़े रहने से सभी सदस्यों को लाभ होता है, टूटने पर सभी को हानि।
- ✤ जो परिवार के लिए परिश्रम करते हैं, वे सभी से सम्मान पाते हैं।
- ✤ गरीब परिवार की समस्याएँ कभी खत्म नहीं होतीं, वे चाँद की तरह हर रात वापस लौटकर आ जाती हैं।
- ✤ एक जिम्मेवार व्यक्ति मरने के पहले तक दीये की लौ की तरह जलता रहता है, अपने परिवार को उजाला देते हुए।

परेशान

- ✤ ईर्ष्यालुओं को दूसरों की हर अच्छी चीज परेशान करती है।

परिश्रम

- ✤ अनुकूल वातावरण होने पर कठिन परिश्रम से भी थकान नहीं होती।

परोपकार

- ✤ एक परोपकारी के पास देने के लिए कुछ न होने पर भी वह दूसरों के लिए अच्छा सोचकर थोड़ा परोपकार कर लेता है।

पहिए

- दौड़ते हुए पहिए संसार की जीवंतता दर्शाते हैं।

प्रशंसा

- प्रशंसा की चादर ओढ़कर, हर कोई खुश हो जाता है।
- बड़े लोगों की प्रशंसा करने का लाभ आज नहीं तो कल जरूर मिलतहै।
- अत्यधिक प्रशंसा से एक मेहनतकश भी आरामतलब बन सकता है।
- बोलने के बजाय लिखकर की गयी प्रशंसा हमें बार-बार रोमांचित करतीहै।
- विद्वान ऐसी बातों की प्रशंसा करना पसन्द करते हैं, जो उनकी विद्वत्ता से आगे निकल चुकी होती है।
- प्रशंसा का एक कण भी औरतों को तरंगायित कर देता है।

प्रस्तुति

- अपने काम को अत्यधिक मन से करनेवाले लोग उसकी सबसे अच्छी प्रस्तुति के लिए चिन्तित रहते हैं।

पैसा/पैसे

- पैसा बाद में आता है, लेकिन अपने आगमन का उत्साह लोगों में पहले ही भर देता है।
- खर्च हो चुके पैसे अपने नये मालिक के पास चले जाते हैं।
- पैसा सुख दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं।

प्रबंधक

- कौन-सा काम सबसे पहले किया जाना चाहिए, एक अच्छा प्रबंधक अच्छी तरह जानता है।

प्रयास

- अपने प्रयास से आगे बढ़ने वालों के पास आर्थिक और वैचारिक समृद्धि एक साथ होती है।

प्रेम

- ✤ लोग अपने कुत्ते का प्रेम भी दूसरों में बाँटना पसंद नहीं करते हैं ।
- ✤ प्रेम जड़ों की तरह प्रेमियों के हृदय में हर पल फैलता रहता है।
- ✤ बच्चों में एक ताजगीपूर्ण प्रेम हर पल उपजता हुआ दिखलाई देता है।
- ✤ प्रेम आपकी ऊर्जा को सृजनात्मक ऊर्जा में बदलने की क्षमता रखता है।
- ✤ रोटी को देखकर कौए आपस का सारा प्रेम भूल जाते है।
- ✤ भोले-भाले लोगों के बीच प्रेम अच्छी तरह पनपता है।
- ✤ आलसी व्यक्ति धीरे-धीरे प्रेम करना भी भूल जाता है।
- ✤ अच्छे पति-पत्नी, अत्यधिक अभाव में भी प्रेम के सहारे जी लेते हैं।

प्रगति

- ✤ प्रगति के द्वार, बिना भेद-भाव के सभी के लिए खुले होते हैं।

प्रयोग

- ✤ कच्ची मिट्टी आपकी इच्छा का ही अनुसरण करती है।

पाँव

- ✤ कच्चे पाँव भूलभुलैया में जल्दी फँस जाते हैं।

पागल

- ✤ कलाकार एक तरह से पागल होते हैं; क्योंकि वे पागलों की तरह कला के पीछे भागते हैं।

पात्र

- ✤ दीर्घकालीन संचय केवल एक मजबूत पात्र ही कर सकता है।

पानी

- ✤ अत्यधिक प्यासे को ही पानी में स्वाद नजर आता है।

पिता

- ✤ अत्यन्त महत्त्वाकांक्षी पुत्र, पिता को कभी ठीक से समझ नहीं पाता।

- ✤ पैतृक निवास को ठीक करवाना, पिता के नाम की हिफाजत करना ही है।
- ✤ बचपन में पुत्र पिता के पास बैठकर और बुढ़ापे में पिता पुत्र के पास बैठकर अधिक सुख पाता है।
- ✤ एक पिता को बच्चों की जिद पूरी करके भी खुश रहना पड़ता है।
- ✤ पुत्र की प्रत्येक सफलता को एक पिता पहले से अधिक आशान्वित और संतुष्ट होकर देखता है।
- ✤ अपने बच्चों का महत्त्वाकांक्षी न होना, एक पिता को चिन्तित कर देता है।

पुरुष

- ✤ पुरुष जब कमाने जाते हैं तो औरतें शांति महसूस करती हैं।

पुस्तक

- ✤ जिन पुस्तकों का भाग्य खुल जाता है वे आलमारी के बाहर आ जाती हैं और बाकी पीछे पड़ी रहती हैं।
- ✤ एक चर्चित पुस्तक के पन्ने हजारों लोगों के मन में खुले होते हैं।

पुत्र

- ✤ जब पुत्र पिता की जरूरतों को नहीं समझता तो वह कपूत ही है।

पूजा

- ✤ पूजा के बाद प्रसाद अपने लोगों में बाँटे जाने पर ही पूरी तृप्ति मिलती है।
- ✤ एक ही पेड़ की पूजा करनेवाले अच्छे दोस्त बन जाते हैं।
- ✤ उत्कृष्ट पूजा में पत्तों एवं फूलों को समान महत्त्व दिया जाता है।

पूर्णता

- ✤ मनुष्य के भीतर का बीज जब तक अपनी पूर्णता को प्राप्त नहीं कर लेता तब तक वह चुपचाप नहीं बैठता।

पेंटर

- ✤ दूसरों के घर को रंगने वाला पेंटर, अपने घर को रंगहीन ही पाता है।

पेड़

- ✤ पेड़ धैर्यपूर्वक अपना फल उपजाते हैं न कि आपकी हड़बड़ी देखकर।
- ✤ वे लोग कितने अभागे हैं जो पेड़ के नीचे कुर्सी डालकर बैठने के सुख से कभी के वंचित हो चुके हैं।
- ✤ आप चाहे पेड़ों की कितनी ही दुर्दशा करें, वे अपना लाभ आपको पहुँचाएँगे ही।
- ✤ एक बड़ का पेड़ अपने बुढ़ापे में बेहद खूबसूरत हो जाता है।
- ✤ आपके आँगन का पेड़ सूख जाने के बाद भी वर्षों-वर्षों तक अपने फलों की याद दिलाता रहेगा।
- ✤ एक पेड़ को अंत तक उसकी मुख्य डालियाँ ही साथ दे पाती हैं, बाकी तो आती-जाती रहती हैं।
- ✤ उसके फल कितने लोगों को संतुष्ट करेंगे, यह तो पेड़ भी नहीं जानता।
- ✤ एक बड़े पेड़ के बीज में गहराई तक अपने को फैलाने की खूबी होती है।
- ✤ एक बड़ा पेड़ आबादी के बीच खड़ा, उस स्थान विशेष का परिचायक बन जाता है।
- ✤ एक पेड़ के कटने के बाद उसकी जड़ों का तड़पना शुरू हो जाता है।
- ✤ एक पेड़ के सभी पत्ते अलग-अलग तरह का जीवन जीते हैं।
- ✤ पक्षी, पेड़ से इस तरह से जुड़े होते हैं जैसे ये पेड़ की ही संतान हों।
- ✤ पेड़ बारिश का मजा लेते-लेते बहुत बड़े हो जाते हैं।
- ✤ पेड़ पहले सँभलकर खड़ा होता है फिर चारों ओर फैलता है।
- ✤ मजबूती के लिए हम पेड़ के तने को देखते हैं और लाभ के लिए डालियों को।
- ✤ पतझड़ पेड़ों को आराम करने देता है।

- ✤ आखिर पेड़ में ऐसा कौन-सा दोष है जो उसे आग में झोंक दिया जाता है।
- ✤ जल के अभाव में पेड़ की एक-एक जड़ें तड़पती हैं।

पौधा/पौधे

- ✤ घर में सूखता हुआ पौधा, सभी सदस्यों की ओर आशाभरी नजरों से देखता है।
- ✤ गुणवान पौधे पत्थर पर भी अपनी जड़ें जमा लेते हैं।
- ✤ अपने लगाए पौधे को हर दिन बढ़ते देखने का सुख, व्यापार में लाभ कमाने जैसा ही है।

पोस्टकार्ड

- ✤ एक पोस्टकार्ड में पता लिख देने के बाद उसमें गति आ जाती है।

प्रसिद्धि

- ✤ अच्छी चीजों में सृजन के बाद प्रसिद्धि के पंख लग जाते हैं।

प्रवृत्ति

- ✤ कभी संतुष्ट न होने वाली प्रवृत्ति, जीभ की तरह हमारे भीतर ही छिपी हुई होती है।
- ✤ समस्याओं को सुलझा देने के बाद भी उनमें उलझने की प्रवृत्ति हमेशा बनी रहती है।

प्रश्न

- ✤ प्रश्न साधारण हो सकते हैं, लेकिन विद्वानों के उत्तर असाधारण।

प्रहार

- ✤ भीतर की कमजोरी जान लेने पर आप लोहे पर भी प्रहार कर बैठते है।

पर्व-त्योहार

- ✤ एक दिन के पर्व-त्योहार की तैयारी महीनों की होती है।

प्रार्थना

✤ हमारी प्रत्येक प्रार्थना से थोड़ा-थोड़ा प्राप्त होता है; अंत में पूरा।

प्रदूषण

✤ एक क्षेत्र का प्रदूषण नदी के कंधों पर बैठकर दूसरे क्षेत्रों में जाता रहता है।

✤ एक नदी प्रदूषण के रंग से रंगे बिना बच नहीं सकती।

प्रभाव

✤ जब तक आपका प्रभाव है तब तक आपका नाम है।

प्रतिभाशाली

✤ प्रतिभाशाली लोग अचानक एक पहाड़ का रूप ले लेते हैं।

प्रेरणा

✤ अच्छा काम कर नाम कमाने के लिए चौराहे पर स्थापित प्रतिमा से प्रेरणा लीजिए बजाय अखबारों से।

प्रक्रिया

✤ सरलता से आगे बढ़ते हुए जटिलता में प्रवेश, सफलता की एक सामान्य प्रक्रिया है।

प्रकोप

✤ तेज हवाएँ, पत्तों के लिए बाढ़ जैसा कोई प्रकोप बनकर ही आती हैं।

प्रतिरोध

✤ प्रत्येक प्रतिरोध को दूर करने के लिए आपको अपनी शक्ति बढ़ानी पड़ती है।

प्यास

✤ गर्मियों में कुएँ का पानी नीचे चला जाता है, और पत्तों की प्यास सतह पर आ जाती है।

प्रगति

✤ जब आप काम करने के बजाय अपने सहयोगियों से दोस्ती करना प्रारंभ कर देते हैं तो प्रगति रुक जाती है।

प्रतिनिधित्व

✤ अपने देश का प्रतिनिधित्व आपके हाथों तभी तक होता है, जब तक देश के लिए आप कुछ न कुछ कर रहे होते हैं।

प्रचार

✤ बुरी चीजों के नियंत्रित करने के लिए अच्छी बातों को हवा की तरह चारों ओर प्रचारित करते रहना होता है।

प्रशासन

✤ प्रशासन की कठोरता से अपराधी भयभीत होने चाहिए न कि आम नागरिक।

✤ जब प्रशासन कमजोर होता है, तो शासन रोबदार लोगों के हाथ में चला जाता है।

फ

फसल

✤ जब कार्य-कुशल लोग काम करते हैं तो समय के ऊपर अपनी फसल उगाते नजर आते हैं।

✤ जब फसल प्रचुर हो तो किसान इसी खुशी में रमा हुआ रहता है।

फायदेमंद

✤ कभी-कभी फायदेमंद रास्तों से भी आप तालमेल बैठा नहीं पाते हैं।

ब

बंधन

- संबंधों को आपस में जुड़े रहने के लिए एक धागे जैसा बंधन जरूरी होता है।
- जिन्हें बंधन की आदत पड़ गयी है, वे आजाद होने पर भी फिर से किसी के गुलाम हो जाते हैं।
- कुत्ता एक मालिक के बंधन से छूटता है तो दूसरे मालिक के बंधन में बँध जाता है।

बच्चा/बच्चे

- पढ़े बिना एक बच्चा जी सकता है, लेकिन खेले बिना नहीं।
- बच्चे वह सब कुछ करना चाहते हैं जो उन्हें खुशी दे।

बदनाम

- गलत ठिकाने बदनाम हो जाते हैं, लेकिन प्रवेश करने वाले बचे रहते हैं।

बदलना

- जब आप अपने को नहीं बदलेंगे, सम्भावना है कि लोग आपको बदल देंगे।

बल

- बड़ा काम करने के लिए हमेशा आपके पास लम्बी दूरी तय करने वाली लहरों जैसा बल होना चाहिए।

बर्बाद

- जब आपस में मिलकर कुछ भी सीखना न हुआ तो दोनों का समय बर्बाद ही हुआ।

बहन

✤ बहनें, भाई के छोटे-छोटे उपहारों से भी खुश हो जाती हैं।

बहाने

✤ किसी के नाखुश होने के लिए हजार बहाने हमेशा तैयार रहते हैं।

बहादुर

✤ बहादुर शेर की आँख खोजता है न कि उसकी पूँछ।

✤ बहादुर अपनी बहादुरी दिखलाते हुए; बहुत बड़े बहादुर बन जाते हैं।

बहादुरी

✤ जब बहादुरों को प्रोत्साहन दिया जाता है तो उनमें जीने की इच्छा कम और बहादुरी की इच्छा प्रबल हो उठती है।

बहाना

✤ कामचोरों की बुद्धिमत्ता उनके बहानों में छिपी होती है।

बहुमूल्य

✤ बहुमूल्य चीजें अपने रखनेवाले को भी मूल्यवान बना देती हैं।

✤ जब साधारण चीजों की प्राप्ति का मार्ग कठिन हो जाता है तो वे भी बहुमूल्य हो जाती हैं।

बाँसुरी

✤ बच्चों को बाँस से नहीं, लेकिन बाँसुरी से जरूर प्यार होता है।

बात/बातें

✤ कभी-कभी आपके मुँह से निकली कोई बात सभी को अपनी लगती है।

✤ अपनी सारी बातें मनवाने के लिए कुछ बातें दूसरों की भी माननी पड़ती हैं।

✤ सतही बातें केवल सतह तक ही असर करती हैं।

✤ बिना आवेश के भी सादगी से भी असरदार बात कही जा सकती है।

बारिश

✤ बारिश का मौसम आते ही जमीन और बीज एक-दूसरे से मिलने के लिए व्याकुल होने लगते है।

✤ बारिश का पानी, गंदी और साफ जगहों के बीच में कोई अंतर नहीं रखता।

✤ बारिश के बाद हवा के पास एक सुखद ठंड होती है।

बिस्तर

✤ थके हुए लोगों को बिस्तर के सिवा कोई साथ नहीं दे सकता।

बीज

✤ एक बीज उसे रोपे जाने का ऋण, सैकड़ों गुणा सूद के साथ आपको चुकाता है।

✤ प्रत्येक बीज के फलित होने पर उसमें उसके पूर्वजों की कोई न कोई आकृति और गुण जरूर दिखाई देते हैं।

✤ कई बीज रत्तीभर जगह का आश्रय लेकर विशाल रूप धारण कर लेते हैं।

बीमा

✤ कभी-कभी एक छोटा-सा बीमा भी काफी होता है, मुश्किल में पड़े बच्चों का जीवन सँवारने के लिए।

✤ बीमा बच्चों के लिए विपदा के समय में एक पिता के समान होता है।

बीमार

✤ आलसी लोगों का जीवन दूर से आरामदेह और नजदीक से बीमार लगता है।

बुद्धि

✤ कई बार जटिल समस्याओं को सुलझाने की हमारे पास बुद्धि तो होती है, लेकिन इच्छाशक्ति नहीं।

बुद्धिजीवी

- अति विशिष्ट आकर्षण के बिना किसी समारोह में बुद्धिजीवी वर्ग की उपस्थिति नगण्य होती है।

बुजदिल

- एक बुजदिल को सुरक्षित रास्ते पर भी डर लगता है।

बुढ़ापा/बुढ़ापे

- आप में बुढ़ापा प्रवेश से पहले अनेक चेतावनियाँ देता रहता है।
- बुढ़ापा कुछ कामों में आपको अधिक सक्रिय कर देता है।
- बुढ़ापा धीरे-धीरे आपकी गतिविधियों के अनेक दरवाजे बंद करना शुरू कर देता है।
- बुढ़ापा बार-बार बिस्तर का सहारा ढूँढ़ता है।
- बुढ़ापे के साथ लोगों में नये-नये शौक और जरूरतें उत्पन्न होने लगती हैं।
- यौवन खोने का दुख बुढ़ापे की प्रारम्भिक अवस्था है।
- बुढ़ापे के साथ आपकी इच्छाएँ झुर्री में सिमटने लगती हैं।
- अच्छा स्वास्थ्य बुढ़ापे को भी हँसते-हँसते पार करा देता है।

बेइज्जती

- दूसरों के द्वारा की गई बेइज्जती आपको नीचे गिराती है, लेकिन आपका स्वाभिमान आपको ऊँचा उठा देता है।

बेईमान

- बेईमान साक्ष्य से लेकर गवाह तक इतने सारे झूठ पैदा कर देता है कि एक न्यायाधीश को मजबूरीवश इसी बहाव में बहना पड़ता है।

बेवकूफ

- अधिक जानकार, कम जानकार को हमेशा बेवकूफ बनाते रहते हैं।

बैलगाड़ी

- ✤ बैलगाड़ी का सफर चाहे मंद क्यों न हो, लेकिन खुशियों से भरा होता है।

बोझ

- ✤ कभी-कभी कटहल जैसी भारी चीज का बोझ डालियों की बजाय तनों को उठाना पड़ता है।
- ✤ अपने फलों के बोझ से डालियाँ झुक जाती हैं, लेकिन कभी टूटती नहीं।
- ✤ मजदूर कुछ पलों के लिए कंधे से बोझ उतारकर, फिर से तरोताजा हो जाते हैं।

बोरा

- ✤ अनाज का बोरा भी कीड़ों-मकोड़ों से सुरक्षित रहना चाहता है।

भ

भय

- ✤ भय स्वयं को मजबूत करने से दूर होता है न कि शस्त्रों या अंगरक्षकों से।
- ✤ भय के पास एक ही काम है; अपने भय को फैलाना।
- ✤ मादक द्रव्यों से भरे होने पर एक काँच के पात्र को टूटने का भय अधिक होता है।
- ✤ प्रत्येक नुकीली चीज में एक भय छुपा होता है।

भयभीत

- ✤ भोगा हुआ पूर्व का असफल जीवन, वर्तमान में भी हमेशा भयभीत करता रहता है।

भरोसा

- ✤ नाखुश लोगों पर भरोसा पूर्ण सजगता के साथ किया जाता है।
- ✤ रस्सी के धागे मजबूती से आपस में जुड़े हुए होंगे ही, ऐसा भरोसा करना हमारी मजबूरी है।
- ✤ किसी पर अत्यधिक भरोसा करने से उसमें चोरी या धोखा देने की प्रवृत्ति का जन्म होने लगता है।

भरोसेमंद

- ✤ एक भरोसेमंद इंसान की इज्जत हमेशा बढ़ती जाती है।

भविष्य

- ✤ सेवानिवृत्ति के अन्तिम दिनों में लोग काम की बजाय अपने भविष्य की ओर अधिक झाँकते हैं।

भाषा

- ✤ दोस्तों में बात की जाने वाली भाषा हृदय से उत्पन्न होती है।
- ✤ सामनेवाले की भाषा में बोलने से अच्छा प्रेम मिलता है।
- ✤ आपकी मातृभाषा में बोलने वाला आपका कोई बंधु ही होता है।

भिक्षा

- ✤ मन्दिरों के बाहर बैठकर भिक्षा माँगना, एक निठल्ला व्यवसाय ही है।

भीड़

- ✤ एक भीड़ में एक उपद्रवी भी छुपकर बैठा होता है।
- ✤ जिस भीड़ में अब एक पाँव भी नहीं समा सकता, वहाँ से हट जाना ही उचित होता है।

भुगतान

- ✤ बिना छान-बीन के किया गया भुगतान बाद में एक बड़ी भूल बन जाता है।

भूख

✤ अनगिनत लोग हैं इस दुनिया में, जिनकी भूख केवल काम करने से शांत होती है।

भूल

✤ कड़ी स्पर्धा में हार अक्सर छोटी-सी भूल के कारण ही होती है।
✤ आपकी भूलें कुछ समय के बाद अच्छी तरह से दिखाई देने लगती हैं।

भोजन

✤ शुद्ध भोजन की इच्छा रखनेवाले हमेशा हाथ-मुँह धोकर ही थाली के पास पहुँचते हैं।
✤ संयमी पुरुष को भोजन के छोटे-से टुकड़े में पूरा स्वाद मिल जाता है।
✤ भोजन तृप्त करता है और काम करने के लिए प्रेरित भी।

भोजनालय

✤ जो भोजनालय अपना सबसे अच्छा स्वाद बाँट चुका होता है, उसे ग्राहकों का इंतजार नहीं करना पड़ता।

भ्रमित

✤ भ्रमित लोग भ्रम से निकलते-निकलते फिर उसी में उलझ जाते हैं।

E:\Sansthan\Sukti
IIIrd Proof

म

मंजिल

✤ दूर स्थित किसी मंजिल को पाने के लिए आपको बहुत तेज चलना होता है।

मछलियाँ

✤ सबसे अच्छी मछलियाँ पकड़ना आपके वश में नहीं है लेकिन सबसे अच्छी को चुनना जरूर आपके हाथों में है।

मजबूती

✤ पहाड़ जैसी कोई चीज ही अपनी मजबूती को अच्छी तरह से दिखा सकती है।

मजबूरी

✤ कई बार सच्चाई को अनदेखा कर देना हमारी मजबूरी होती है।

✤ सभी व्यक्तियों में कोई न कोई मजबूरी होती है, जिसका जाने-अनजाने एक दूसरे को लाभ मिलता रहता है।

✤ एक आलसी अत्यंत मजबूरी में ही अपनी पूँछ हिलाता है।

मतदान

✤ आपके द्वारा दिया हुआ मतदान तभी तक सफल रहता है, जब तक आपके द्वारा चुने गए व्यक्ति का मन नहीं बदलता है।

मन

✤ दुखी मन में विचार चित्र-पटल की तरह चलते हैं और रुकने का नाम ही नहीं लेते।

- ✤ संतुष्टि मन को हल्का करती है, और लोभ मन को भारी।
- ✤ भारहीन तराजू हमेशा संतुलित होता है, उसी तरह हमारा मन।
- ✤ मन कभी आपके काबू में होता है तो कभी दूसरों के।
- ✤ मन की उड़ान पतंग की तरह होती है, इसलिए एक छोर पर कभी नहीं ठहर सकती।

मनपसंद

- ✤ आग जब तक आपके काबू में होती है तभी तक आपके मनपसंद का काम करती है।
- ✤ जरूरी काम कभी पूरे नहीं होते, जब आप केवल अपने मनपसन्द का काम ही करते हैं।

मनुष्य

- ✤ मनुष्य बहुत सारी चीजों को पाना चाहता है सुबह से शाम तक।

मर्म

- ✤ किसी वस्तु के मर्म तक पहुँचने पर, फिर आप वहीं रम जाते हैं।

मरीज

- ✤ मरीज गरीब होता जाता है और उपचारक धनवान।

मल्लाह

- ✤ एक मल्लाह पर उतनी दूरी का भरोसा करना चाहिए, जिसे वह हर दिन तय करता है।

मवेशी

- ✤ अगर मवेशियों की जीवन-व्यवस्था अच्छी होती तो साथ हमारी भी।

महँगाई

- ✤ अक्सर महँगाई के अनुपात में लोगों की तनख्वाह भी बढ़ जाया करती है।

मस्तिष्क

- ✤ संसार की सारी जगह भर जाएगी, लेकिन आपका मस्तिष्क फिर भी खाली रहेगा।
- ✤ मानसिक तृप्ति के किसी भी नये साधन को हमारा मस्तिष्क स्वीकार कर लेता है।

महत्त्वाकांक्षा

- ✤ एक महत्त्वाकांक्षी हमेशा दूसरों के अच्छे गुणों को देखकर उसे अपनाने की कोशिश करता है।
- ✤ अत्यंत महत्त्वाकांक्षी लोगों से संबंध बनाने में सतर्कता बरतनी चाहिए।

महान्

- ✤ आपकी ख्याति नहीं बल्कि आपके कामों से लोगों को मिला लाभ ही आपको महान् बनाता है।

महापुरुष

- ✤ अपनी सबसे श्रेष्ठ कला दूसरों तक पहुँचाने की इच्छा केवल महापुरुषों में होती है।

माँ

- ✤ जवान बच्चों (बेटों) का आपस में झगड़ना माँ के लिए सबसे बड़ा दुःख होता है।
- ✤ एक बच्चा मनपसन्द चीजों को पाने के लिए जितना तड़पता है उससे कहीं अधिक उसकी माँ उसे उपलब्ध कराने के लिए लालायित रहती है।
- ✤ एक बूढ़ी माँ की प्रबल इच्छा रहती है कि उसका हाथ हमेशा बच्चों के सिर को ढके रहे।
- ✤ एक माँ के मोह में बच्चों की छवि के सिवा कुछ भी नहीं होता।
- ✤ माँ की गोद में छोटा-सा बच्चा, चाँद से भी अधिक प्यारा होता है।

माला

✤ अनगिनत साधनों को माला के रूप में पिरोने के बाद ही कोई व्यवसायी सफल हो पाता है।

मिट्टी

✤ मिट्टी का सूख जाना उसका दुःख है तथा पानी से भर जाना उसका सुख है।

मार्ग

✤ बार-बार अपना मार्ग बदलने की मनःस्थिति, आपको अपनी जगह से भी बहुत पीछे ढकेल देती है।

✤ किसी को कठिन मार्ग सुगम लगता है तो किसी को सुगम मार्ग कठिन।

मार्गदर्शन

✤ सही मार्गदर्शन वही है जिसमें असफलता की गुंजाइश सबसे कम हो।

मामूली

✤ मामूली चीजों का सहारा लेकर आप चूहे ही पकड़ सकते हैं, शेर नहीं।

मासूमियत

✤ एक बच्चे की मासूमियत केले के पेड़ की तरह होती है।

मित्र

✤ बहुत पुराने मित्र से अचानक मिलना, आपको अपने बचपन में प्रवेश करा देता है।

✤ घर में विवाद होने से घनिष्ठ मित्र याद आने लगते हैं।

मित्रता

✤ खुशहाल वही है जो पेड़-पौधों से भी अपनी मित्रता ठीक से निभा पाता है।

- ✤ भूखे पशु आपकी मित्रता को कभी नहीं स्वीकारेंगे।
- ✤ पशु आपकी मित्रता को मनुष्यों की अपेक्षा, अच्छी तरह से निभाते हैं।
- ✤ शहर कहाँ मौका देता है पशुओं को अपनी मित्रता निभाने का।

मुफ्त

- ✤ अच्छे लोगों के लिए मुफ्त का ऐशो-आराम भी कोई काम का नहीं होता।

मुसीबत

- ✤ दरिद्र शरीर हमेशा मुसीबतों की ओर झूल रहा होता है।
- ✤ जो खुद बहुत सारी मुसीबतों को झेल चुके होते हैं, वे ही अक्सर दूसरों को मुसीबत से बचाने की चेष्टा करते हैं।

मुक्ति

- ✤ चाहे गलतियों का ढेर हो या कचड़े का, दोनों से आप मुक्ति चाहते हैं।

मृत्यु

- ✤ मृत्यु के पास हजार तरीके हैं, सताकर आपकी जान लेने के।
- ✤ जीवन इतना बड़ा मायावी है कि मृत्यु के दिन तक भी आप इसकी वास्तविकता को समझ नहीं पाते।

मुँह

- ✤ बहुत सारी बाधाएँ ऐसी होती हैं जिनका मुँह आपकी सफलता को देखकर खुलने लगता है।

मुकदमा

- ✤ चल रहा मुकदमा, अपराधियों को कभी आशाभरी करवट सुलाता है तो कभी निराशाभरी।

मुखड़ा

❖ सुन्दर चीजों में भी रिझानेवाला मुखड़ा कुछ खास जगहों पर ही होता है।

मुखिया

❖ एक मंच पर सभी को इकट्ठा कर पाने का गुण किसी भावी मुखिया में ही होता है।

❖ अच्छे मुखिया अपने कामों से लाभान्वित समुदाय को देखकर ही तृप्ति महसूस करते हैं।

मुट्ठी

❖ सबसे अच्छी मुट्ठी वही है, जो केवल अच्छी चीजों को ही धारण करती है।

मुश्किल/मुश्किलें

❖ नयी तरह की इच्छाओं के साथ मुश्किलें भी कुछ नये ढंग की पैदा हो जाती हैं।

❖ गूढ़ चीजों को समझने की कोशिश, मन को समझने जितनी ही मुश्किल होती है।

❖ लिखने से मुश्किल होता है उसे लोगों तक पहुँचाना।

❖ कुछ मुश्किलें देर तक ठहरती हैं हमारे पास और कुछ जल्दी ही विदा हो जाती हैं।

मूर्छा

❖ कामयाब स्वर वे ही होते हैं जिसकी पुकार से सारे लोगों की मूर्छा टूट जाती है।

मूर्ख

❖ शेर की जीभ को बकरी का स्वाद दिखाकर उसे मूर्ख बनाया जाता है।

E:\Sansthan\Sukti
IIIrd Proof

मूल्यवृद्धि

✤ मूल्यवृद्धि स्वीकारना लोगों की विवशता है तथा उसके साथ चलना एक बड़ी समस्या।

मूल्यांकन

✤ सभी कामगारों का मूल्यांकन एक तरह से ही होता रहता है, जब तक कि वे अपनी कोई विशेष दक्षता नहीं दिखला पाते।

मेहँदी

✤ मेहँदी लगे हाथ हमेशा दूसरों की उत्सुकता का आनन्द लेते रहते हैं।

मेहनत

✤ अपनी मेहनत को जितनी अच्छी तरह से आप समझ सकते हैं, उतनी दूसरा कोई नहीं।

✤ मधुमक्खियों की मेहनत शहद के गाढ़ेपन में दिखलाई देती है।

मेहमानों

✤ एक नयी दुकान में ग्राहकों के साथ मेहमानों जैसा व्यवहार किया जाता है।

मोती

✤ माला से टूटा हुआ मोती, आपके मन को दुःखी रखता है, जब तक कि उसे जोड़ा नहीं जाता है।

मौत

✤ मौत से बड़ा भक्षक इस संसार में कोई नहीं है।

मौसम

✤ बेहद गर्म मौसम का बारिश में बदलते-बदलते रुक जाना, मन बदलने जैसा ही है।

मौका

- ✤ दुश्मनी को भी दोस्ती में बदल देने का मौका, कभी-कभार आ ही जाता है।
- ✤ रास्ते में पड़ी कील भी मौका मिलने पर आघात करने से नहीं चूकती।
- ✤ असंतुष्ट दूसरों को नुकसान पहुँचाने का मौका ढूँढ़ते हैं और संतुष्ट लाभ का।

य

यत्न

- ✤ किसी प्यारी चीज को यत्न से रखने में बड़ा सुख मिलता है।

यमराज

- ✤ जंगल में रहकर शेर यमराज का ही काम करता है।

यात्रा

- ✤ हर नयी यात्रा मस्तिष्क की खाली जगह को अपने नये अनुभवों से थोड़ा और भर देती है।
- ✤ अति उत्साही लोगों को यात्रा की खुशी, यात्रा से पहले ही प्राप्त होने लगती है।
- ✤ जब आप कभी भी यात्रा पर नहीं निकलते हैं तो, आप एक दिन अपने गाँव को ही अपना पूरा संसार समझने लगते हैं।

याददाश्त

- ✤ आपकी अच्छी याददाश्त अचानक कोई अच्छी बात की याद दिलाकर आपको लाभ पहुँचा देती है।
- ✤ केवल जागकर देखा हुआ हिस्सा ही आपके जीवन में याददाश्त के रूप में बचता है।

युद्ध

✤ युद्ध में या तो सैनिक खत्म हो जाते हैं या युद्ध खत्म हो जाता है।

योग्य

✤ आप बहुत कुछ पाना चाहते हैं, लेकिन आपको वही मिलता है, जिसके आप योग्य होते हैं।

यौवन

✤ यौवन यों घिसता जाता है जैसे चन्दन का कोई टुकड़ा।
✤ यौवन संयम से अधिक दिनों तक सुरक्षित रहता है।
✤ यौवन को ठीक से न जीने पर वह बुढ़ापा ही है।
✤ यौवन शरीर को अनेक तरह की सुविधाएँ देता है।
✤ यौवन तरह-तरह के आवेगों से युक्त होकर अपना कदम बढ़ाता है।
✤ यौवन थोड़ा-थोड़ा करके वाष्पीकृत होता है और एक दिन पूरा।

र

रक्षा

✤ बहादुरों को हमेशा दूसरों की रक्षा करने का काम मिला होता है।

रफ्तार

✤ अपनी तेज रफ्तार को भी जो सँभाले हुए आगे बढ़ते हैं, वे ही सफल होते हैं।

रस

✤ किसी चीज को निचोड़े जाने पर ही उसमें मौजूद रस का अंदाजा होता है।

रस्सी

- तनी हुई रस्सी की तरह दिखनेवाला व्यक्ति हर काम में चुस्ती दिखलाता है।

राखी

- भाई के लिए बहनों की व्याकुलता राखी के दिन ही मालूम होती है।
- एक बहन के द्वारा दूरस्थ भाई को भेजी हुई राखी का एक-एक हिस्सा याद रहता है।

राजनीतिज्ञ

- एक राजनीतिज्ञ के लिए उसके राज्य की सीमा हमेशा आँखों के आगे खड़ी होती है।

राजा

- एक घर के मुखिया की तरह ही एक राजा को अपना राज्य चलाना चाहिए।

रात

- सबसे कठिन रात वही होती है, जब आपकी पीड़ा असहनीय और निरुपाय हो जाती है।

राष्ट्र

- राष्ट्र को जरूरत होती है सेवकों की, लेकिन मिलते हैं उसे सेवा करवाने वाले ही।

रास्ता/रास्ते

- अपना रास्ता बनाने से पहले, आपको कई वर्षों तक दूसरों के बनाये रास्ते पर ही चलना होता है।
- रास्ते सुगम हों तो एक बड़ी आबादी को वहाँ बसने में देर नहीं लगती।
- सारे सुगम रास्ते आगे चलकर कठिन होने लगते हैं।

- ✤ काम करने का सबसे उपयुक्त रास्ता, आपको खुद ही निकालना पड़ता है।
- ✤ एक के द्वारा सुगम रास्ता खोज लेने पर सभी उसी ओर भाग चलते हैं।
- ✤ सरल दिखलाई देने वाले रास्ते ही अचानक कई बार दुर्गम हो जाते हैं।

रिक्तता

- ✤ घर की खाली जगहों की रिक्तता केवल खर्च से ही भरी जा सकती है।

रुकावट

- ✤ जब आप अपने विरोधी और मित्रों को संतुष्ट कर लेते हैं तो रास्ते की सभी रुकावटें खत्म हो जाती हैं।

रूप

- ✤ प्रकृति सागर की लहरों की तरह हर पल अपना रूप बदलती रहती है।

रोटी

- ✤ रोटी की तरह, सफलता भी धीरे-धीरे पकती है।
- ✤ अपनी रोटी के छीने जाने का डर सभी को लगा रहता है।

रोशनी

- ✤ अच्छे समय में आपका प्रत्येक अँधेरा प्रकाश में बदल जाता है।

ल

लतर

- ✤ फैलने वाली लतर एक जगह नहीं रह सकती, देखते-देखते चहारदीवारी फाँदकर झाँकने लगती है।
- ✤ एक लतर भी पेड़ का सहारा पाकर ऊँचाई तक पहुँच जाती है।

लापरवाह/लापरवाही

- ✤ लापरवाही, सुरक्षा के दरवाजों को खुला छोड़ देने जैसा ही है।
- ✤ लापरवाही के कारण आप सिर्फ दो कदम चलते हैं, जबकि दूसरे दस।

लाभ

- ✤ जिनसे कुछ लाभ मिलता है, उनसे आप निरंतर जुड़ना चाहते हैं।
- ✤ लाभकारी चीजों को देर से पहचानने पर, हम उसके लाभ से वंचित हो जाते हैं।
- ✤ कभी-कभी दूसरों से लाभ लेने के लिए बिना उनके कुछ काम किये भी, उन्हें श्रेय देना पड़ता है।
- ✤ लाभ के मौके आपकी ताकत के अनुसार ही पकड़ में आते हैं।
- ✤ लाभ तो चारों ओर बिखरे पड़े हैं, लेकिन ये केवल आपके लिए नहीं हैं।
- ✤ किसी भी काम को अच्छी तरह से जाँच-पड़ताल के बाद करने पर केवल लाभ ही हासिल होता है।
- ✤ व्यापार में रोज होने वाला लाभ ही व्यापारी की भूख को शांत कर पाता है।
- ✤ समय पर पूर्ण न किए गए कार्यों से मिलने वाला लाभ व्यर्थ हो जाता है।

लालटेन

- ✤ एक झोंपड़ी को उसकी लालटेन ही रोशनी देती है, चाँद-सितारे नहीं।

लालसा

- ✤ लोगों को थोड़ा-सा देकर उनसे अधिक पाने की लालसा सभी में होती है।

लुप्त

- ✤ नमक व्यंजन में अपना स्वाद भरकर लुप्त हो जाता है, कुछ इसी तरह की प्रवृत्ति सुख और दुख में भी होती है।

लेखक

- ✤ जब केवल सृजनात्मकता ही कलम की स्याही से निकलने लगती है तो लेखक परिपक्व हो जाता है।
- ✤ जब सभी सो जाते हैं जीवन से निवृत्त होकर तब लेखक रचता है उनके विगत को कागज पर।
- ✤ लेखक अपनी बातों को दूसरों तक पहुँचाकर ही शांति पाते हैं।
- ✤ लेखक अपने पाठकों के प्रति अत्यंत सहृदय होता है।

लेखन

- ✤ आपका लेखन अपनी दृष्टि को सभी में बाँटने की एक चेष्टा है।

लोभ

- ✤ अत्यधिक लोभ के कारण लोग अपने कुएँ का सारा पानी बेचकर खुद भी प्यासे हो जाते हैं।
- ✤ आक्रमणकारियों का सबसे बड़ा लोभ उनकी विजय है।
- ✤ चाहे जेल हो या पिंजड़ा, सभी का कारण लोभ ही होता है।

लोभी

- ✤ एक लोभी को दूसरों की प्रत्येक चीज में अत्यधिक स्वाद दिखलाई देता है।

व

वंदनीय

✤ जिनमें अपने अन्न से दूसरों को तृप्त करने की इच्छा प्रबल होती है, उनका यह उत्साह समाज में वंदनीय होता है।

वचन

✤ बुढ़ापे में दिये गए वचन जल्दी ही करवट बदलने लगते हैं।

वातावरण

✤ अनुकूल वातावरण घोर परिश्रम को भी थकान बनने नहीं देता है।

✤ सुबह का अच्छा वातावरण पानी खींचने की पीड़ा को कम कर देता है।

वापस

✤ आधे रास्ते से लौटनेवाले अपने उद्‌गम स्थान पर फिर से वापस पहुँच जाते हैं।

वासना

✤ वासना हमेशा अपने समतुल्य उत्तेजित लोगों को ही ढूँढ़ती है।

✤ जवान होते बच्चों में वासना शहद की तरह आ चिपकती है।

वाहन

✤ पीड़ित वाहन की तरह पीड़ित लोग भी दूसरों को दुख देते रहते हैं।

विद्वत्ता

✤ विद्वत्ता अपने में से कुछ भी लेने से किसी को रोकती नहीं।

विकल्प

- ✤ विकल्प के अभाव में अनुत्तीर्ण लोगों को भी काम करने का मौका मिल जाता है।
- ✤ विकल्प के अभाव में एक नापसंद को भी अपने से जोड़ना पड़ता है।
- ✤ एक पेड़ के पास दो ही विकल्प होते हैं या तो अपने को स्थापित कर लेना या झोंकों से गिर जाना।

विख्यात

- ✤ विख्यात वही है जिसने अपने चेहरे को चारों ओर फैला दिया है।

विदा

- ✤ एक उम्र बीत जाने के बाद मनुष्य को अंदाजा हो जाता है कि अब उसे कभी भी विदा हो जाना है।
- ✤ कठिन यात्रा में केवल हँसते हुए लोगों को विदा किया जाता है।

विपरीत

- ✤ इच्छाएँ और मुश्किलें हमेशा एक-दूसरे की विपरीत दिशा में काम करती हैं।

विश्वास

- ✤ जो आप पर अपना विश्वास जमा लेता है, उससे आप थोड़ा-सा सहारा लेने की चेष्टा करते हैं।

विष

- ✤ बुरे लोगों से भय लगता है, क्योंकि वे साँप की तरह विष धारण किये हुए होते हैं।

विरोध

- ✤ विरोध जब आक्रामक हो जाता है तो तलवारें खुल पड़ती हैं।

- विरोध जब आक्रामक हो जाता है, तो केवल शस्त्रों की ही याद आती है।

विलम्ब

- प्रत्येक विलम्ब जल में खौलने जैसी बौखलाहट पैदा कर देता है।

विशिष्टता

- साधारण शब्द भी मधुरता से बोले जाने पर एक विशिष्टता पैदा कर देते हैं।

विस्तार

- अपना विस्तार करने के लिए, साथ काम करनेवालों को भी विस्तार देना होगा।

व्यावसायिक

- किसी स्थान विशेष से लाभ की संभावना अत्यधिक दिखलाई पड़ने पर वहाँ व्यावसायिक गतिविधियाँ अचानक बढ़ जाती हैं।

व्यस्त

- एक व्यस्त आदमी से काम कराने के लिए आग्रह की जोत जलाये रखनी पड़ती है।

व्यवसायी

- एक परिपक्व व्यवसायी लाभ कमाना और हानि से दूर रहना अच्छी तरह से जानता है।

व्यवसाय

- किसी भी व्यवसाय में कार्यों के रुकने और बढ़ने का सिलसिला हमेशा महसूस किया जा सकता है।
- व्यवसाय का ढाँचा एक रेलगाड़ी की तरह ही बनाया जाता है, जो हमेशा एक सही दिशा में अग्रसर होना चाहता है।

- एक व्यवसाय को भी कलात्मक प्रभाव दे देता है, एक चतुर व्यवसायी।

व्याकुलता

- आक्रमण के समय पूरा शरीर एक हिंसक व्याकुलता के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता है।

व्यापार

- एक बड़ा व्यापार चलाना, काँच की चीजों को थामकर चलने जैसा है।

व्यापारी

- एक व्यापारी ग्राहकों को इज्जत देने की महान् कला में प्रवीण होता है।
- थोड़ा खोकर अधिक पाने का रास्ता व्यापारी अक्सर अपनाते हैं।
- इच्छारहित व्यक्ति को भी प्रेरित कर काम करवाने की कला एक व्यापारी के पास होती है।
- एक व्यापारी में घर जाने की नहीं बल्कि कामों को निबटाने की जल्दीबाजी होती है।
- फायदेमंद स्रोतों को सबसे पहले एक चतुर व्यापारी ही देख पाता है।
- एक व्यापारी अपने विश्राम के समय भी अपने व्यापार को बढ़ते हुए देखना चाहता है।
- अच्छा व्यापारी अपने लाभ के साथ-साथ ग्राहक के लाभ को भी सोचताहै।

श

शंका

✤ उस ज्ञान पर शंका होती है जो किसी की आँखें ही न खोल सके।

शक्ति

✤ माँगने वाला बहुत कुछ माँगता है पर दिया जाता है, अपनी शक्ति के अनुसार ही।

शरीर

✤ सोया हुआ शरीर आपके मन को अनेक इच्छाओं से मुक्त रखता है।
✤ थका हुआ शरीर अनेक जीवन के अनुभवों को साथ लिये हुए होता है।

शहर

✤ शहर बड़ा होगा तो जंगल छोटे होंगे।

शांत

✤ ठंड से काँपता शरीर अग्नि के सामने और घबराया हुआ मन परिवार के साथ शांत हो जाता है।

शादी

✤ शादी के बाद संबंधों में हर दिन एक नया विस्तार आता जाता है।
✤ शादी करने के पीछे जीवन को अत्यधिक समृद्ध करने की इच्छा छिपी होती है।

शासक

✤ दूसरों से काम लेने का हुनर एक चतुर शासक में सर्वाधिक होता है।

- ✤ शासक जब प्रजा का पोषण करता है तो वह शासक है और शोषण करता है तो वह चोर है।
- ✤ एक शासक इस दुर्भावना से ग्रसित होता है कि लोग देश की बजाय उससे ज्यादा प्रेम करे।
- ✤ वे ही शासक बन जाते हैं, जिनके सुर जनता को लुभावने लगते हैं।

शिक्षक

- ✤ एक शिक्षक के लिए सभी छात्रों के घर के दरवाजे खुले रहते हैं।

शूरवीर

- ✤ एक शूरवीर अपने शरीर को भी तलवार की तरह ऊर्जावान बनाए रखता है।

शोर

- ✤ सुबह के शोर के साथ ओस, पत्तियों का साथ छोड़ने लगती है।

शौक

- ✤ अमीरों के शौक हर किसी को लुभावने लगते हैं।
- ✤ आदमी काम के साथ-साथ अपने शौक पूरा करने का रास्ता भी निकालता रहता है।
- ✤ शासकों का यह बहुत बड़ा शौक होता है कि अपनी सीमा को कैसे बढ़ाया जाए।
- ✤ जिस काम में आप पूरा रम जाते हैं, वह ही आपका शौक है।
- ✤ फूलों का शौक धीरे-धीरे आपको अनेक दूसरी सुन्दर चीजों से भी जोड़ने लगता है।
- ✤ जब आपके व्यक्तिगत शौक अधिकतर पूरे होंगे, तब परिवार के शौक अधूरे रह जाएँगे।
- ✤ समय तभी अच्छी तरह से बीतता है जब आपके शौक पूरे होते रहें।

शौकीन

- ✤ शौकीन थोड़ा समय गुजर जाने के बाद पुरानी चीजों को छोड़ देते हैं।

श्र

शृंगार

- एक औरत के पास अनेक तरह के शृंगार से अपना चेहरा सुन्दर कर लेने का गुर होता है।
- प्रकृति अपना शृंगार करती है विविध रंगों के वातावरण से।

श्रद्धा

- किसी के भी प्रति श्रद्धा का भाव आपके मन को खुश करता है।

श्रम

- कठिन श्रम करने वाले जितनी आसानी से सोते हैं, उतनी आसानी से उठ भी जाते हैं।
- एक बड़े लाभ के स्रोत को भी धन में बदलने के लिए लगातार श्रम करना पड़ता है।

E:\Sansthan\Sukti
IIIrd Proof

स

संख्या

✤ बड़ा काम वही होता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग जुटें।

संगठन

✤ एक बर्तन से गर्म दूध की थोड़ी-सी मात्रा निकाल देने पर वह तुरन्त ही ठंडा हो जाता है; वैसा ही हाल किसी संगठन का साथ छोड़ने पर भी होता है।

संगत

✤ एक सफल व्यक्ति की संगत के लिए एक बड़ी भीड़ हमेशा आतुर रहती है।

✤ अशिक्षित बच्चों का भाग्य उनके दोस्तों की संगत के अनुसार ही चलता है।

संग्रह

✤ एक दिन आपको जरूर मालूम हो जाता है कि आपने कितनी अनावश्यक बातों का संग्रह अपने मन में कर रखा था।

संतुष्ट

✤ जब आप संतुष्ट नहीं होते, अनगिनत दुखों की सुइयाँ आपके मन में चुभती रहती हैं।

✤ संतुष्ट व्यक्ति हर किसी की बात बड़े आराम से सुनते हैं।

✤ आपकी सफलता के स्वर माता-पिता को सबसे अधिक संतुष्ट करते हैं।

संबंध

- ✤ नजदीकी संबंध बनाए बिना कोई भी चीज प्राप्त नहीं हो सकती।
- ✤ प्रगाढ़ संबंध अपना लाभ एक-दूसरे को देते रहते हैं।
- ✤ दो घनिष्ठ मित्रों के संबंध भी बिना उतार-चढ़ाव के कभी एक जैसे नहीं रह सकते।

संयम

- ✤ आपसे छोटी खुशियाँ छीनकर संयम बड़ी खुशियाँ प्रदान करता है।
- ✤ संयम से शरीर में नयी विशेषताओं का स्फुरण फिर से आरम्भ हो जाता है।
- ✤ संयमी व्यक्तियों को साधारण फल भी अमृत तुल्य स्वाद देता है।

संरक्षण

- ✤ राष्ट्र की सारी समस्याओं को बेईमान अपना संरक्षण देकर बचाये रखते हैं।
- ✤ हरियाली के दिनों में हरेक पत्ते को मौसम से संरक्षण प्राप्त होता है।
- ✤ आलसी ऐसे लोगों का संरक्षण चाहते हैं जो उनके आराम में सहायक बनें।

संवाद

- ✤ भयमुक्त होने पर ही आप किसी से अच्छी तरह से संवाद कर सकते है।

संस्कृति

- ✤ दूसरों की भाषा बोलने के साथ-साथ उनकी संस्कृति भी आप में प्रवेश करने लगती है।
- ✤ दो दोस्तों की घनिष्ठता, दोस्ती के साथ-साथ आपस की संस्कृति से भी जोड़ना आरंभ कर देती है।

सक्षम

✤ सक्षम लोगों को ही दूसरे की चिन्ता करना शोभा देता है।

सजावट

✤ सजावट का खर्च, अनगिनत लोगों द्वारा उसे देख लेने पर भुला दिया जाता है।

सत्कार

✤ किसी के द्वारा किया गया अतिथि-सत्कार, आप कभी नहीं भूल पाते हैं।

सत्य

✤ विद्वानों का मुख हमेशा सत्य की ओर झुका होता है।

सच

✤ विश्वसनीय लोगों को प्रत्येक काम सोच-समझकर करना पड़ता है; क्योंकि उनकी गलतियों को भी सच मान लिया जाता है।

सच्चा

✤ सच्चा मन केवल सच्चे लोगों का साथ चाहता है।

सफल

✤ सफल व्यक्ति से ही अक्सर सफल व्यक्ति जुड़ना चाहता है।

सफलता

✤ एक प्यासे के लिए पानी की जो तड़प होती है, वैसी ही आप में भी सफलता पाने के लिए तड़प होनी चाहिए।

✤ दूसरों के कंधे पर बैठकर आगे बढ़ने से आपकी सफलता का सारा श्रेय ढोनेवाले के पास चला जाता है।

✤ सफलता की भूख सिर्फ सफलता से ही मिटती है।

✤ सफलता के दो रास्ते हैं, या तो आप काम करें या फिर दूसरों से करवायें।

- ✤ आपकी सफलता इस पर ही निर्भर है कि आप दूसरों को अपनी ओर किस तरह से आकर्षित कर पाते हैं।

सफाई

- ✤ सफाई होने के बाद प्रत्येक वस्तु का मूलस्वरूप आपको खुश करने लगता है।

सजा

- ✤ एक निर्दोष को फँसा देना आसान है, जबकि एक अपराधी को सजा दिलाना बेहद मुश्किल।
- ✤ आपकी हड़बड़ी, सामानों को घर पर छोड़ आने की सजा देती है।
- ✤ गलतियों की सजा, किसी को अधिक मिलती है तो किसी को कम।
- ✤ हर एक के जीवन में सजा की तरह कुछ ऐसे लोग मौजूद होते हैं जिनसे कभी पीछा नहीं छूटता।

स्पर्द्धा

- ✤ एक बड़ी स्पर्द्धा में शामिल होनेवाले लोगों को हर कोई जानने लगता है।
- ✤ बिलकुल समान ध्येय रखने वालों के बीच बेहद कड़ी स्पर्द्धा होती है।
- ✤ स्पर्द्धा की दुनिया में साधारण लोग छिटककर अलग हो जाते हैं।

सीढ़ी

- ✤ जो खुद नहीं चढ़ पाते वे दूसरों के लिए सीढ़ी लगाकर भी खुश हो लेते हैं।

सुंदर

- ✤ अक्सर सुंदर चीजें असुंदर चीजों से घिरी हुई होती हैं।

स्वरूप

- ✤ किसी का लुभावना स्वरूप हमें उसके दोषों की ओर बढ़ने ही नहीं देता।

सूरज

- ✤ सुबह जल्दी उठने वालों की आँखों में सूरज ठीक सामने से अपनी रोशनी भरता है।
- ✤ काम करने वालों को उगता हुआ सूरज प्यारा होता है और न करने वालों को डूबता हुआ।

सड़क

- ✤ टूटी हुई सड़क की तरह परेशान करती है कलहभरी जिन्दगी।

समय

- ✤ समय हमेशा नया-नया सृजन करता हुआ आगे बढ़ता जाता है।
- ✤ समय ने जो अभी निर्मित किया है, वह कुछ देर के बाद ही दिखाई पड़ता है।
- ✤ गुजरते हुए समय पर नजर रखने के लिए सजग और खुली आँखें चाहिए।
- ✤ ज्ञानी अपना समय ज्ञान पाने में व्यतीत करते हैं और अज्ञानी अज्ञान को फैलाने में।
- ✤ आप समय के बिलकुल साथ-साथ होते हैं, जब आप इसका उपयोग कर रहे होते हैं।
- ✤ समय, हर पल आपके लिए नयी सीमा एवं दायरा तय करता जाता है।
- ✤ जब आपका अच्छा समय आता है सारे दुःख सिर छुपा लेते हैं।
- ✤ दूसरों के समय को महत्त्व नहीं देने पर उनके दरवाजे बंद मिलते हैं।
- ✤ एक मुश्किल समय, पति-पत्नी को बिलकुल करीब खींचकर ला देता है।

समस्याएँ

- ✤ समस्याएँ केवल हल चाहती हैं, अत्यधिक सोच-विचार नहीं।

समाज

- ✤ अशिक्षितों का भार वर्षों-वर्षों तक बोझ बनकर समाज के कंधों पर लदा रहता है।

- ✤ जब तक समाज अपनी एक कुरीतियों को सुधारता है, तब तक दूसरी भी पैदा हो जाती है।
- ✤ जमीन से जुड़े लोग ही दीवार की सबसे निचली ईंट की तरह, पूरे समाज का बोझ उठाये हुए होते हैं।

सर्जक

- ✤ सृजन करने की बेचैनी किसी भी सर्जक में अत्यधिक रहती है।

साधन

- ✤ पर्याप्त साधन सामने हों तो मुश्किलें बिलकुल आसान हो जाती हैं।
- ✤ प्रगति के बीज के लिए अच्छे साधन उपजाऊ भूमि की तरह ही हैं।

सेवा

- ✤ एक परोपकारी एक के बजाय, अनेक लोगों की सेवा करके ही अधिक खुश होता है।

सूई

- ✤ सूई अपना काम चुपचाप करती है चाहे उसे कोट सिलना पड़े या फटे कपड़े।

सामर्थ्य

- ✤ सामर्थ्य से अधिक कुछ भी प्राप्त होने पर वह छलकने लगता है।

स्वर

- ✤ किसी सशक्त वाक्य को कोई सशक्त स्वर ही धारण कर सकता है।

स्वार्थी

- ✤ जिस राज्य में लोग भूखे सोते हैं, वह राज्य अवश्य ही अत्यंत स्वार्थी लोगों का होगा।

स्वाद

- ✤ एक स्वादिष्ट भोजन में डाली गई प्रत्येक चीजो का थोड़ा-थोड़ा स्वाद छिपा होता है।
- ✤ हमेशा कुछ नये तरह के स्वाद भी पुरानी की जगह लेते जाते हैं।
- ✤ आप कितने भी प्रकार के स्वाद क्यों न चख लें फिर भी सबसे अधिक स्वादिष्ट से अभी दूर होते हैं।
- ✤ किसी के लिए स्वाद महत्त्वपूर्ण होता है तो किसी के लिए सस्तापन।
- ✤ दुनिया की प्रत्येक चीज में एक स्वाद होता है, लेकिन इसे पाने के लिए उससे जुड़ना पड़ता है।

सुरक्षा

- ✤ शेर जंगल का राजा है, लेकिन इसके राज्य में आपको कोई सुरक्षा नहीं मिलेगी; क्योंकि सबसे बड़ा भक्षक वही होता है।

समझ

- ✤ समझ विकसित होने पर अनुपयोगी वस्तु भी उपयोगी नजर आने लगती है।

समाज

- ✤ समाज में पहचान बना लेने के बाद आप गरीब नहीं रह जाते।
- ✤ समाज हमेशा लोगों से उसके प्रति कर्त्तव्य-परायण होने की माँग करता है।

समाधान

- ✤ कभी-कभी समाधान के अभाव में विवश होकर हमें खुश रहना पड़ता है।
- ✤ उपलब्ध साधनों से समस्या का समाधान कर पाने पर कामों में शीघ्रता आती है।

सहयोग

✤ अच्छे काम में सहयोग देकर आप सभी के स्मरणीय हो जाते हैं।

सम्मान

✤ आदर और सम्मान ऐसी फसलें हैं, जिन्हें पकने में वर्षों लग जाते हैं।

सर्वनाश

✤ हवा से घर का सर्वनाश होने पर भी आप उसका साथ नहीं छोड़ पाएँगे।

साहित्य

✤ चारों तरफ व्याप्त शोर से ही साहित्य जनमता है।

सावधान

✤ खतरों की दृष्टि कम सावधान लोगों को ढूँढ़ती है।

सामीप्य

✤ विद्वानों का सामीप्य बिना चाहे भी कुछ न कुछ दे जाता है।

सावधानी

✤ व्यस्त आदमी कोई भी वादा बड़ी सावधानी से करता है।

सीमा

✤ एक राजा का शरीर उसके देश की पूरी सीमा तक फैला हुआ होता है।

सोना

✤ सोना, कुरूप में भी अपना रंग भर देता है।

सौभाग्य

✤ वे खुशनसीब हैं जिन्हें आम की गुठलियों से वृक्ष को जन्म देने का सौभाग्य प्राप्त होता है।

सुख

✤ जो अपना सुख दूसरों में बाँटता है उससे कोई नहीं बिछुड़ता।

सेवानिवृत्त

✤ सेवानिवृत्त लोगों को रविवार भी पहले की तरह ही कुछ खास खुशियाँ देता है।

सुविधा

✤ नागरिक सुविधाएँ कम होने पर रोष और शोक दोनों उपजते हैं।

सुविधाएँ

✤ आप चाहे जितनी भी सुविधाएँ जुटा लें, शरीर तो थकेगा ही।

✤ जितनी अधिक सुविधाएँ होंगी, उतना अधिक उन्हें पाने का लोभ होगा।

स्रोत

✤ जो स्रोत दूसरों को निरंतर लाभ दे पाते हैं वे इतनी जल्दी सूखते नहीं हैं।

सहनशीलता

✤ औरतों में असीम सहनशीलता होती है, इसलिए वे काँटों पर भी विश्वास कर लेती हैं।

सुधार

✤ गलतियाँ करने वाले के सामने ही गलतियों को सुधारना आवश्यक है।

सलाह

✤ किसी भी अच्छी सलाह को हाथ आया अवसर ही समझना चाहिए।

सृजन

✤ सृजन का शौक गंभीर बीमारी में भी लड़ने के लिए बल देता रहता है।

- ✤ सृजन हमेशा समय के साथ-साथ चलने पर ही फलित होता है।

सैनिक

- ✤ कम पढ़े-लिखे सैनिक भी अपने पत्रों में परिवार के प्रति गहरा प्रेम समेट लेते हैं।
- ✤ प्रत्येक सैनिक युद्ध अच्छी तरह से लड़ने तथा उसे जल्दी खत्म करने में विश्वास रखता है।

सहारा

- ✤ आगे बढ़ने वाले लोग अधिक दिनों तक किसी का सहारा नहीं लेते।
- ✤ ईमानदारी से अर्जित किया गया विश्वास बुरे समय में एक सहारा बन जाता है।

सोच

- ✤ बड़े सोच के दायरे में मामूली चीजें धूल की तरह ही लगती हैं।

सेना

- ✤ शेर की सवारी कर सकने वाला कलेजा सेना के जवानों के पास ही होता है।

समाप्ति

- ✤ अच्छा समय अपनी समाप्ति पर आपको असहाय और पीड़ित कर देता है।

साँप

- ✤ एक साँप को, बड़ा आवास नहीं बल्कि एक सुरक्षित आवास चाहिए।

समुदाय

- ✤ एक सड़क को दो समुदायों में विभाजित नहीं किया जा सकता, उसी तरह एक राष्ट्र को भी।

सीढ़ी

✤ कमजोर कंधों वाली सीढ़ी आपको सुरक्षा नहीं दे सकती।

सीढ़ियाँ

✤ कुछ अतिरिक्त लाभ दिखाई देने पर ही लोग अपनी सीढ़ियाँ बदलते हैं।

सुन्दरता

✤ जब चारों तरफ सुन्दरता हो तब यह मुश्किल हो जाता है, किसी एक से विशेष प्यार करना।

✤ सुन्दरता को देखने के लिए तीव्र इच्छा और श्रम चाहिए।

सुगंध

✤ फूलों की सुगंध आपके चाहने पर भी अधिक देर नहीं ठहरेगी।

सोचा

✤ कभी-कभी आप वैसे बन जाते हैं, जैसा आपने कभी सोचा भी नहीं था।

सौन्दर्य

✤ किसी भी सौन्दर्य में खुशी देने वाले बहुत सारे गुण समाहित होते हैं।

सूक्ष्म

✤ पानी अति सूक्ष्म मार्गों को भी पार कर आगे बढ़ जाता है।

स्त्री

✤ स्त्री के बिना यह दुनिया सूने घोंसले जैसी लगेगी।

स्मरण

✤ जीवन की परम खुशियों के क्षण आपके स्मरण में सबसे पहले होते हैं।

स्वर्ण

✤ गरीब स्वर्ण मिलने पर तुरंत बेच देता है और अमीर उसे गले में सजा लेता है।

स्वर्णकार

✤ एक स्वर्णकार का घड़ीसाज बनने की चेष्टा, अपनी प्रतिभा को नष्ट करना ही है।

स्पर्श

✤ किसी को देखकर खुश हो लेना, उसे स्पर्श करने जैसा ही है।

ह

हक

✤ जब आप अपना हक छोड़ते हैं तो लोग दौड़ते हैं अपना हक जमाने के लिए।

✤ फेंकी हुई रोटी पर सबसे पहले झपटने वाला अपना हक साबित कर लेता है।

✤ परिवार में अपना हक जताना, झगड़े की शुरुआत करना है।

✤ आप अचंभित हो जाते हैं, जब आपके हक को कोई छीनने की कोशिश करता है।

✤ हरेक परिवार अपने हक की सुरक्षा को लेकर इतना मुस्तैद है कि आप दूसरों से प्रेम भी नहीं कर सकते।

हड़बड़ी

✤ हड़बड़ी में गलत प्रस्ताव बिना अधिक सोच-विचार के पारित कर दिए जाते हैं।

✤ हड़बड़ी में लोगों के काम का स्वरूप उलटा-पुलटा हो जाता है।

हतोत्साहित

✤ हतोत्साहित होने का अर्थ है, आप में उत्साह पैदा करने की शक्ति का लुप्त हो जाना।

हथकड़ी

✤ दूसरों की हथकड़ी खोलना आसान है—लेकिन अपनी नहीं।

हथियार

✤ बातें मन में जख्म करती हैं और हथियार शरीर पर।

हल

✤ कलम हल की तरह कागज पर चलती है, जैसे वह सोये हुए कागज को जगा रही हो।

हृदय

✤ आपका मृदु स्वभाव दूसरों के मन में नहीं, सीधे हृदय में प्रवेश करता है।

हाथ

✤ सभी के हाथ बढ़े हुए होते हैं कुछ लेने के लिए, देने के लिए हमेशा पीछे।

✤ कभी-कभी ऐसी चीज आपके हाथ लग जाती है, जिसे दूसरे लोग अभी तक समझ न पाये थे।

✤ बेहद मजबूत हाथ भी सूई को थामने में सावधानी बरतते हैं।

हानि

✤ जब होने वाली हानि का खतरा सिर पर सवार होता है तो आप सँभल कर चलते हैं।

हारना

✤ हारनेवालों को सब कुछ दूर होता हुआ दिखलाई देता है।

हिंसा

✤ कुत्ते भी बिकते हैं लेकिन हिंसा के लिए नहीं बल्कि मनुष्यों के साथ रहने के लिए।

हिफाजत

✤ शरीर की जितनी अच्छी हिफाजत होती है, वह उतनी ही अच्छी तरह से हमें कुछ दे पाती है।

हिम्मत

✤ महावत नहीं, उसकी हिम्मत हाथी को वश में करती है।
✤ विवश लोगों के पास सींग तो होते हैं, लेकिन उनसे मारने की हिम्मत नहीं होती।
✤ सवार की हिम्मत देखकर ही घोड़ा तेज दौड़ लगाता है।

हुकूमत

✤ समझदार लोग दूसरों की बजाय अपने आप पर हुकूमत करना अधिक पसन्द करते हैं।

हुनर

✤ हुनर की वहीं पूछ होती है, जहाँ हुनरमंदों की जरूरत होती है।
✤ बिना हुनर के उड़ान भरना आसमान से गिरना है।
✤ अनेक तरह के हुनर की दुकान लगाकर बैठे व्यक्ति को दरिद्रता कभी नहीं छूती है।

होड़

✤ खाली कुर्सी लोगों में उसे पाने की होड़ मचा देती है।

ज्ञ

ज्ञान/ज्ञानी

- ज्ञान देना और लेना इतना सहज होता तो दुनिया में कोई भी अज्ञानी नहीं बचता।
- अगर मस्तिष्क के द्वार खुले हों तो ज्ञान को प्रवेश करने का मौका कभी भी मिल सकता है।
- ज्ञान पाने की इच्छा दुनिया की हर चीज से तेज दौड़ती है।
- जो विद्वानों में भी खुशी की लहर पैदा कर दे वही सच्चा ज्ञान है।
- आपके उड़ने की ऊँचाई आपके भीतर मौजूद ज्ञान ही तय करता है।
- ऐसा ज्ञान जो अपनी जड़ों को आप में रोप सकता है, वही पनपेगा।
- एक ज्ञानी का साथ, जीवन के भय को मन से मिटा देता है।

पूर्व लिखित पुस्तकों पर सम्मतियाँ

नरेश का मिजाज एक चिन्तक का है, वे जीवनानुभवों की गहराई में उतरने का माद्दा रखते हैं।

–इंडिया टुडे

आपकी सूक्तियों में एक मौलिकता है, विचारों का नयापन है तथा जीवन के सत्यों को उद्‌घाटित करने की क्षमता है। यह मेरे लिए एक नया अनुभव है कि जीवन के अनुभवों तथा सत्यों को इतनी मार्मिकता के साथ लिखा जा सकता है। आपके पास सूक्ति कथन का अद्‌भुत कौशल है जो बहुत कम लेखकों के पास होता है।

–डॉ. कमल किशोर गोयनका
(साहित्यकार एवम् आलोचक)

नरेश अग्रवाल बराबर नया सोचने और नया करने के पक्षधर रहे हैं। इस बार उन्होंने सूक्तियों की रचना करने की चुनौती स्वीकार की है। उन्होंने दो हजार से अधिक स्वरचित सूक्तियों की रचना कर, आज की लगभग सर्वथा उपेक्षित, पर अनिवार्य विधा का पुनरुद्धार करके एक अत्यंत प्रशंसनीय तथा उल्लेखनीय कार्य किया है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस पुस्तक में सम्मिलित उनकी सूक्तियाँ मौलिक हैं। इनके इस 'सूक्ति-सागर' में उतरने के लिए बहुत हाथ-पैर मारने की आवश्यकता नहीं है। विश्राम तथा बैठे-ठाले क्षणों में भी इस 'सूक्ति-सागर' में अवगाहन कर कोई भी व्यक्ति इनसे प्राप्त बहुमूल्य मुक्ताओं को सहज ही प्राप्त कर सकता है।

–श्रवणकुमार गोस्वामी
(उपन्यासकार एवम् कहानीकार)

सब कुछ को सलीके से छिपाकर वे अपने पाठक को सरल से सरल भाषा में दृश्य-दर-दृश्य, कुछ अनसुने, अनदेखे और अनजाने को सुनने, देखने और जानने के लिए उकसाते हैं। इसलिए उस मर्म और तत्त्व को ढूँढ़ते हुए, वहाँ तक पहुँचने की प्रक्रिया में वे पाठक को खोजकर पाने के सुख से सुखी कर देना चाहते हैं। उसे अपने ढंग से अपने लिए पाकर पाठक के मन में उसके विस्तार और उसके प्रदर्शन की सबसे ज्यादा सम्भावना बनती है।

–लीलाधर जगूड़ी, कवि

(पद्मश्री एवं साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित)

ये कविताएँ हृदय का उद्गार हैं, हृदय की बात हैं। प्रभविष्णु कविचित पर जीवन के प्रसंगों ने जो तरंगें उत्पन्न कीं, उनकी अक्षत अभिव्यक्ति सरल-सुगम भाषा में कवि का अभीष्ट है। ये जीवन-प्रसंग जाने-पहचाने, रोज-ब-रोज के होते हुए भी एक विस्तृत सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत होकर नया अर्थ ग्रहण करते हैं।

–अरुण कमल

(कवि, आलोचक एवम् सम्पादक,
साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित)

नये घर में प्रवेश, नये घर में प्रवेश नहीं, कवि का अपनी अन्तश्चेतना की चौखटों को पारकर अपने आप को पाने, खोजने का प्रयत्न है। गहन आत्मविश्लेषणात्मक है कवि की दृष्टि। दुनिया के सारे कुएँ से लेकर–कई कविताएँ।

–चित्रा मुद्गल

(उपन्यासकार)

श्री नरेश अग्रवाल की इन कविताओं में समय और परिवेश के प्रति कवि की विनम्रता आकर्षित करती है। इनमें किसी प्रकार का भावुक आवेश या आक्रामक उबाल नहीं है, न अनुभव और भाषा की स्फीति। अभिव्यक्ति का यह अनुशासन इन कविताओं को प्रौढ़ और चिन्तनपरक बनाता है।

–विश्वनाथ तिवारी

(कवि, आलोचक एवम् सम्पादक)

आपकी सृजनात्मकता ने नये धरातलों को स्पर्श किया है। अपने आसपास के जीवन से यह संलग्नता इनकी एक विशिष्ट पहचान बनाती है। संवेदनात्मक गहराई में डूबी हुई इन कविताओं को पढ़कर बहुत अच्छा लगा। आपकी मार्मिकता मन को छूती है।

–विजय कुमार
(कवि एवम् आलोचक)

आपकी प्रकृति आधारित कविताएँ भी मात्र दृश्यचित्र नहीं हैं, उनमें मन बोलता है। कश्मीर को आपने सैरगाह की जगह संवेदना बनाया है। अगर इन पुस्तकों का वितरण ठीक प्रकार से किया जाए तो ये समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी।

–ममता कालिया
(कवि एवम् साहित्यकार)

आपकी कविताओं में बड़ी सहजता है। अनुभवों का निर्व्याज आवेग है। बड़ी आत्मीय स्वतः स्फूर्तता है।

–विजेन्द्र
(कवि एवम् सम्पादक)

❑❑❑

ब्लर्ब 1

स्त्री
स्त्री के बिना यह दुनिया सूने घोंसले जैसी लगेगी।
हक
आप अचंभित हो जाते हैं, जब आपके हक को कोई छीनने की कोशिश करता है।
कुल्हाड़ी
दो पेड़ काट लेने के बाद कुल्हाड़ी पूरे जंगल की ओर देखने लगती है।
पक्षी
एक पिंजरे में बंद पक्षी उड़ने के अलावा माता-पिता बनने के सुख से भी वंचित हो जाता है।
परिवार
परिवार के सदस्यों की जरूरतों के गैरजरूरी समझना आपसी कलह की जड़ होती है।
हिम्मत
विवश लोगों के पास सींग तो होते हैं, लेकिन उनसे मारने की हिम्मत नहीं होती।
डर
एक चाबुक का डर नये घोड़े के लिए यह जल्द ही यह तय कर देता है कि उसे गाड़ी को लेकर कितना तेज दौड़ना है।
बल
बड़ा काम करने के लिए हमेशा आपके पास लम्बी दूरी तय करने वाली लहरों जैसा बल होना चाहिए।
घर
अपने घर में आप कहीं पर भी बैठ सकते हैं जबकि दूसरों के यहाँ सिर्फ कुर्सी पर।
सहनशीलता
औरतों में असीम सहनशीलता होती, इसलिए वे काँटों पर भी विश्वास कर लेती हैं।

ब्लर्ब 2

कुव्यवस्था
कुव्यवस्था में जरूरतमंदों को मिलनेवाला लाभ बेईमानों के हक में चला जाता है।

तिनका
भाग्य साथ देने पर तिनका चलने की बजाय किसी चिड़िया का घोंसला बन जाता है।

द्वार
किसी भी चीज के प्रवेश द्वार को ढूँढ़े बिना आप उसमें प्रवेश नहीं कर सकते।

एकता
जब लोगों के बीच सम्प्रदायिकता एकता अधिक होती है, बेईमानों के लिए बेईमानी के अवसर कम हो जाते हैं।

जमीन
किसी की जायदाद के रूप में खाली पड़ी जमीन, न किसी को छत दे पाती और न ही फसल।

गाय
सताये जाने पर भी गाय के वश में नहीं होता कि आपको दूध देना बंद कर दे।

अकेला
सच हमेशा अकेला होता है क्योंकि धीरे-धीरे सारे लोग झूठ के पक्ष में जा खड़े होते हैं।

दोस्त
दो विरोधियों के घोड़े भी खाने-पीने और टहलने के समय अच्छे दोस्त बन जाते हैं।

दुःख
बच्चे के रोने पर उसका दुःख सामने आता है और शेर के चिंघाड़ने पर दूसरों का।

दाना
चक्की के पाट में पड़ा हुआ दाना खेत-खलिहान को विस्मृत करता हुआ देहहीन हो जाता है।